RNI No: DELMUL/2012/47011

10 नवंबर, 2026 मंगलवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 222

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



39 की उम्र में भी युवाओं पर भारी रोहित शर्मा 07

दीवाली की रात : राजस्थान-दिल्ली समेत देशभर में 23 लोगों की मौत

खुशियों में लगी आग...



मध्यप्रदेश में 13, महाराष्ट्र में छह जिंदा जले

- पटाखों और शॉर्ट सर्किट से कई परिवारों की खुशियां मातम में बदलीं
- उज्जैन में एक सिवनी में छह कटनी जिले में आग से छह लोगों की जलकर मौत
- मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा
- कटनी में मृतकों में दो महीने का एक मासूम नवजात भी शामिल

वेब वार्ता, भोपाल/नई दिल्ली

दीपावली के उल्लास के बीच देश के अलग-अलग राज्यों से आगजनी की दिल दहला देने वाली घटनाएं सामने आईं। पटाखों की चिंगारी और शॉर्ट सर्किट जैसे कारणों से भड़की आग ने कई परिवारों की खुशियां मातम में बदल दीं। इन हादसों में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग गंभीर रूप से झुलस गए। कुछ लापता बताए जा रहे हैं। राहत दल रातभर लपटों पर काबू पाने और लोगों को सुरक्षित निकालने की जद्दोजहद में जुटा रहे। मध्यप्रदेश के उज्जैन के नागझिरी क्षेत्र में दीवाली की रात दो मंजिला मकान में आग लग गई। जहां परिवार के 10 सदस्य फंस गए। जिसमें एक107 वर्षीय बुजुर्ग की जलकर मौत हो गई।

इसी तरह सिवनी और कटनी जिलों में आगजनी की दो घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में दो महीने का एक मासूम शिशु भी शामिल है। वहीं सीएम डॉ. मोहन यादव ने शोक व्यक्त करते हुए इस घटना को अत्यंत दुखद बताया। राज्य सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की गई है।

सिवनी: तीन मंजिला मकान में लगी आग

सोमवार तड़के 4:30 बजे सिवनी जिले के छपारा कस्बे स्थित महावीर वार्ड में एक तीन मंजिला मकान में अचानक भीषण आग लग गई। यह मकान सुनार कुंदन लाल सोनी का था। घटना के समय घर के भीतर परिवार के 10 सदस्य सो रहे थे। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। राहत और बचाव कार्य के दौरान चार लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया, लेकिन परिवार के छह सदस्यों की झुलसने और दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों में कुंदन लाल सोनी, उनकी पत्नी राजकुमारी सोनी, रितु सोनी, स्मृति सोनी, सूर्या सोनी और आदित्य सोनी शामिल हैं।

कटनी: क्रॉकरी की दुकान बनी चिता

दूसरी घटना कटनी जिले के बरही कस्बे की है, जहां दीवाली की रात सोमवार आधी रात एक तीन मंजिला इमारत में स्थित क्रॉकरी दुकान में आग लग गई। जिला मजिस्ट्रेट आशीष तिवारी के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इस हादसे में दुकान मालिक पूरन अग्रवाल, उनकी पत्नी चंद्रकला, बहू पूनम, पोतियां आर्या अन्वी और दो महीने के मासूम बच्चे की जान चली गई।

राजस्थान-दिल्ली में छाया मातम

राजस्थान के पाली जिले में पटाखों की एक दुकान में अचानक आग भड़कने से दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग लापता हो गए। इस हादसे की लपटों ने आसपास की तीन दुकानों और कई दोपहिया वाहनों को भी पूरी तरह जलाकर राख कर दिया। वहीं देश की राजधानी दिल्ली के नरेला इलाके में आतिशबाजी के दौरान छूटा रॉकेट पटाखा सीधे 10 साल के एक बच्चे के पेट में जा लगा, जिससे गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

महाराष्ट्र : दुकान-इमारतों में भड़कीं लपटें, जिंदगी खाक



महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक किराना दुकान के ऊपर बने घर में आग लगने से एक ही परिवार के छह लोग जिंदा जल गए। पुणे में रात भर में आग लगने की 63 घटनाएं सामने आईं। मुंबई के लोखंडवाला में हुए एक अन्य हादसे में भी एक व्यक्ति की जान चली गई, जबकि डोंगरी इलाके में झुग्गियों और दुकानों को आग ने अपनी जद में ले लिया। इसके अलावा नागपुर के एक टीवीएस शोरूम में कई गाड़ियां जलकर राख हो गईं।

यूपी में भी आग का कहर

उत्तर प्रदेश के बांदा में एक कबाड़ के गोदाम में आग लगने से करीब 20 से 25 लाख की संपत्ति जल गई। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके से भी आगजनी की सूचनाएं मिलीं है। देश के बाकी हिस्सों में भी आग से बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान दर्ज किया गया। जम्मू के नेहरू मार्केट में 12 से अधिक दुकानें खाक हो गईं। असम के जोनाई, सिक्किम के गंगटोक से भी आगजनी की सूचनाएं मिलीं, जहां दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद स्थिति पर काबू पाया।

सागर : ट्रक ने कार को मारी टक्कर, चार लोगों ने तोड़ा दम

- नर्मदा स्नान के लिए निकले थे सभी मृतक
- मौके पर ही दूसरा हादसा होने से 8 घायल

इधर, मध्यप्रदेश के सागर जिले में दीपावली के दूसरे दिन अमावस्या पर मां नर्मदा में स्नान करने की आस्था लेकर घर से निकले श्रद्धालु हादसे का शिकार हो गए। बरमान जा रहे श्रद्धालुओं से कार (एमपी 15 सीए 8417) को तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी। यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान माखन यादव निवासी बिलहेरी, संतोष तिवारी, नीरज मिश्रा और एक अन्य व्यक्ति निवासी सुभाष नगर सागर के रूप में हुई है। हादसे के तुरंत बाद मौके पर राहगीरों और अन्य वाहन चालकों की भीड़ एकत्र हो गई। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक पर सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस तरह एक ही स्थान पर हुए दो हादसों में कुल 8 लोग घायल हो गए।



ब्रीफ न्यूज

दिल्ली में पटाखों से हवा गंभीर श्रेणी में पहुंची

नई दिल्ली। दिवाली के बाद सोमवार सुबह दिल्ली की हवा की क्वालिटी गंभीर कैटेगरी में पहुंच गई। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, दिल्ली के पटपड़गंज में एक्यूआई में 418 दर्ज किया गया।

शेख हसीना ने बांग्लादेश लौटने मांगा नया पासपोर्ट

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश लौटने के लिए नया पासपोर्ट मांगा है। वे दिसंबर में बांग्लादेश लौटना चाहती हैं। आवेदन नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश दूतावास से किया गया है। उनके वकील ने सोमवार को लंदन में बांग्लादेश के शीर्ष राजनयिक को भी ईमेल किया है।

पीटी उषा को बड़ा झटका एसओएम चुनाव में हारीं

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा मेरिट प्राप्त महिला खिलाड़ियों के चुनाव में हार गई गईं। मतलब अब आईओए को नया अध्यक्ष मिलेगा। इस प्रक्रिया में कुल छह उम्मीदवार थे।

पीएम मोदी ने जेलेंस्की से की फोन पर बातचीत

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बात की। मोदी ने युद्ध के हालात,शांति प्रयासों और भारत-यूक्रेन के बीच सहयोग पर व्यापक चर्चा की।

मध्य प्रदेश बनेगा देश की मिल्क कैपिटल

- समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लिया संकल्प
- मप्र के 10 पशुपालक, गौसेवकों/गौशाला संचालक सम्मानित

- प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और गाय संरक्षण हमारी संस्कृति का मूल आधार
- समाज के सभी आयोजनों में सरकार भी बढ़-चढ़कर लेगी भाग
- भोपाल में बनेगा उन्नत नस्ल की गायों का भ्रूण उत्पादन केंद्र
- मुख्यमंत्री ने कहा- एक लाख भ्रूण प्रतिवर्ष पैदा किए जाएंगे
- प्रदेश की तीन हजार गौशालाओं को दिया गया 60 करोड़ अनुदान

वेब वार्ता, भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित राज्य स्तरीय गौ-पूजन और पशुपालक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश को अगले दो वर्षों में देश की मिल्क कैपिटल बनाने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा हमारी आस्था, परंपरा और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा-प्रदेश में श्वेत क्रांति 2.0 के तहत दुग्ध संकलन क्षमता को 12 लाख से बढ़ाकर 52 लाख किलो प्रतिदिन करने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही, केंद्र सरकार की मंजूरी से भोपाल में उन्नत नस्ल की गायों का भ्रूण उत्पादन केंद्र स्थापित किया जाएगा, जहां हर साल 1 लाख भ्रूण तैयार किए जाएंगे। भोपाल के बरखेड़ी डोब में 10 हजार गौवंश क्षमता वाली हाईटेक गौशाला भी बनाई जा रही है।



वृंदावन ग्राम बनाएंगे

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश प्राकृतिक खेती में देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने प्रदेशभर में वृंदावन ग्राम, गीता भवन निर्माण, बड़े पशु मेलों के आयोजन और गौ-एम्बुलेंस की संख्या बढ़ाने की भी घोषणा की।

प्रति गाय 40 रुपए

सीएम ने रिमोड से क्लिक कर प्रदेश की 3,000 पंजीकृत गौशालाओं के 5.51 लाख गौवंश के भरण-पोषण के लिए 65.66 करोड़ की राशि अंतरित की। प्रति गाय अनुदान राशि 20 से बढ़ाकर 40 रुपए कर दी गई है।

टॉप-10 पशुपालक सम्मानित

गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के तहत 466 उत्कृष्ट पशुपालकों के खातों में 2.95 करोड़ रुपए की राशि भेजी गई। साथ ही, प्रदेश के टॉप-10 पशुपालकों और गौ-सेवकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के तहत 25 दुधारू पशुओं की इकाई पर 42 लाख तक का ऋण और 13.86 लाख रुपए अनुदान दिया जा रहा है।

विधानसभा चुनाव में 80 : 20 का फॉर्मूला अबकी बार यूपी में भाजपा 350 के पार

सीएम योगी आदित्यनाथ बोले- दंगा-माफिया राज के समर्थक नहीं देंगे वोट

वेब वार्ता, लखनऊ

यूपी में 2027 के विस चुनाव को लेकर सियासी माहौल गरमाने लगा है। इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक साक्षात्कार के दौरान पार्टी के चुनावी एजेंडे को स्पष्ट करते हुए बड़ा बयान दिया है। सीएम ने विधानसभा चुनाव को 80:20 का मुकाबला करार दिया और दावा किया कि भाजपा गठबंधन 350 से अधिक सीटें हासिल करने में सफल रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 80 फीसदी जनता सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि के मुद्दे पर भाजपा के साथ है, जबकि महज 20 फीसदी लोग ही विपक्ष के पक्ष में जाएंगे। सीएम योगी ने 20 फीसदी के वर्ग को परिभाषित करते हुए साफ शब्दों में कहा कि जो लोग अराजकता, दंगे, कर्फ्यू और माफिया राज के पैरोकार हैं, वही इस 20 प्रतिशत हिस्से में शामिल हैं और भाजपा का विरोध करेंगे।



उपद्रवियों की खैर नहीं

सीएम ने कह-जो राष्ट्र की सुरक्षा में सेंध लगाने, उपद्रव फैलाने, भारत की सनातन आस्था, पवित्र तीर्थ स्थलों या महापुरुषों का अपमान करने का प्रयास करेंगे, उन्हें सरकार की ओर से सख्त और कड़ा जवाब दिया जाएगा। भजपा गठबंधन सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और माफियाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई को मुख्य मुद्दा बनाकर चुनाव मैदान में उतरेगा।

भाजपा ने जीता भरोसा

सीएम ने कहा-सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के जनता तक पहुंचाया गया है। रोजगार के नए अवसरों के सृजन और राज्य में भारी निवेश के जरिए यूपी को विकास के पथ पर आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे जनता का भरोसा लगातार भाजपा पर मजबूत हुआ है।

बंगाल में रेप-हत्या के आरोपी का मुठभेड़ में 'काम तमाम'

- भतीजी से की थी दरिंदगी चार दिन से था फरार
- भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में चौथा एनकाउंटर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में 12 साल की भतीजी से रेप-मर्डर के आरोपी दिलीप रॉय की सोमवार सुबह पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, रायगंज के परापुकुर गांव में उसे पकड़ने के लिए छापेमारी की गई थी। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जो पुलिस वैन के टायर में लगी। जवाबी गोलीबारी में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटना के बाद से फरार आरोपी की चार दिन से तलाश कर रही थी। राज्य मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि कानून तोड़ने वालों को पुलिस का सामना करना पड़ेगा। राज्य में मई में भाजपा की सरकार बनने के बाद पुलिस मुठभेड़ में किसी आरोपी की मौत का यह चौथा केस है।

इब्राहिम ने कहा था- संघ सांप्रदायिक नहीं हो सकता



- आरएसएस पर बैन के प्रयास का इब्राहिम ने किया था विरोध
- नागपुर में मोहन भागवत ने साझा किया 1930 का ऐतिहासिक किस्सा

वेब वार्ता, नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने 1930 के दशक का एक ऐतिहासिक किस्सा साझा करते हुए बताया कि उस समय सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की गई थी। उस दौरान संघ के समर्थन में कोई स्वयंसेवक सामने नहीं आया था, बल्कि इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने संघ का पक्ष रखा था। इब्राहिम ने तर्क दिया था कि संघ कोई सांप्रदायिक संगठन नहीं है, इसलिए इस पर बैन नहीं लगाया जाना चाहिए। भागवत के अनुसार, इब्राहिम ने उस समय कहा था, जो लोग यह कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदू राष्ट्र है, उन्हें मेंटल हॉस्पिटल भेज देना चाहिए। मैं डॉ. हेडगेवार को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। वे मेंटल नहीं हैं, बल्कि एक अच्छे इंसान हैं। इसलिए, संघ सांप्रदायिक नहीं हो सकता।

राष्ट्र के नवनिर्माण का लक्ष्य

भागवत ने कहा-संघ का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र का नवनिर्माण करना है। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का स्पष्ट मानना था कि एक सशक्त और अच्छे समाज व देश का निर्माण केवल श्रेष्ठ व्यक्तियों के माध्यम से ही हो सकता है। इसी सोच के तहत संघ के प्रचारक बिना किसी स्वार्थ समाज और संगठन के लिए निरंतर कार्य करते हैं। वे राष्ट्र सेवा के लिए अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं का भी सहर्ष त्याग कर देते हैं।

प्रचारकों का त्याग प्रेरणा

संघ प्रमुख ने कहा कि प्रचारकों और स्वयंसेवकों के समर्पण और त्याग को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, इसे केवल उनके साथ रहकर ही महसूस किया जा सकता है। उनका निष्काम जीवन दूसरों को भी समाज सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

कटौती मनमानी पर सरकार की लगाम: 83 हजार वाली दवा अब मिलेगी 37,358 रुपए में, देशभर में नई दरें लागू

आहत को राहत! अब आधी कीमत पर मिलेगी स्तन कैंसर की दवा

वेब वार्ता, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कैंसर रोगियों को दीपावली पर बड़ी राहत दी है। कैंसर रोधी दवाओं की कीमतों में कटौती की गई है। संशोधित कीमतें सोमवार से लागू हो गयीं हैं। इसके तहत अलग-अलग ब्रांड्स की 1,000 से अधिक दवाओं की कीमतों में बड़ी कटौती की गयी है। 83,520 रुपए की स्तन कैंसर की दवा अब ग्राहकों को 37,358.35 में ही मिलेगी। केंद्र का दावा है कि इस फैसले से कैंसर पीड़ितों को सालाना 3,502.31 करोड़ से अधिक की बचत होगी। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग के राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की ओर से गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर 17 अक्टूबर 2026 को 137 कैंसर रोधी दवाओं की अधिकतम खुदरा मूल्य पर ट्रेड मार्जिन की सीमा तय कर दी थी। अब इन दवाओं की संशोधित दरें प्रभावी हो गयी हैं।

- 600 ब्रांड्स ने 50 फीसदी से ज्यादा घटाए दाम, जनता की होगी 3,500 करोड़ से अधिक की बचत
- ट्रेड मार्जिन 30 फीसदी तय 1,200 से अधिक फॉर्मूलेशन पर घटी एमआरपी, 96 प्रतिशत तक की गिरावट



600 ब्रांडों ने 50 प्रतिशत की कटौती की रिपोर्ट

7 नवंबर 2026 तक 76 फार्मास्युटिकल कंपनियों ने 121 दवाओं को कवर करने वाले 1,225 कैंसर रोधी फॉर्मूलेशन के लिए संशोधित न्यूनतम मूल्य की रिपोर्ट दी थी। कैंसर रोधी दवाओं के 1,031 फॉर्मूलेशन में एमआरपी में कमी की गयी है। इसमें 600 ब्रांडों ने 50 प्रतिशत से अधिक की कटौती की रिपोर्ट दी है। सबसे अधिक कटौती 96.45 फीसदी रही है। चिह्नित की गयी 137 कैंसर रोधी दवाओं में से 10-15 दवाएं ऐसी भी हैं, जो अब तक भारत में लॉन्च नहीं हुई हैं। हालांकि, ट्रेड मार्जिन रैशनलाइजेशन इन दवाओं पर भी लॉन्च होते ही लागू हो जाएगा।

कीमत नहीं बढ़ा सकेंगी कंपनियां

डीजीएचएस ने कहा-दवा बनाने वाली कंपनियां साल में दवा की कीमतें बढ़ा सकती हैं। हालांकि, उन्हें 30 फीसदी ट्रेड मार्जिन के नियम का पालन करना होगा। यानी दवा की कीमत 30 फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ेगी। इतना ही नहीं, हर खुदरा विक्रेता, डीलर, अस्पताल और संस्थान के लिए कैंसर रोधी दवाओं की संशोधित कीमतों की जानकारी देनी होगी।

'फार्मा सही दाम' एप्लिकेशन

उपभोक्ता 'फार्मा सही दाम' मोबाइल एप्लिकेशन और एनपीपीए की वेबसाइट के माध्यम से लागू दरों की जांच कर सकते हैं। संशोधित दरों के किसी भी उल्लंघन या गैर-अनुपालन की रिपोर्ट अधिकारियों को दर्ज करा सकते हैं।

संपादकीय

कर्मभूमि एक्सप्रेस में आग ने फिर दिखाई रेलवे की सुरक्षा खामी

शुक्रवार को राजपुरा के पास अमृतसर से बिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लग गई। गनीमत बस यही रही कि समय रहते ट्रेन को रोक लिया गया और यात्री किसी तरह ट्रेन से उतरकर खुद को बचा सके। जब भी रेल महकमे में प्रबंधन और सेवाओं के स्तर पर सुधार का सवाल आता है, तब सरकारी दावे कमोबेश इसी तरह के होते हैं कि अब यहां के आम लोगों को ट्रेन में सफर करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं का अनुभव होगा। मगर यात्रा के दौरान ट्रेनों से लेकर प्लेटफार्मों तक पर होने वाले हादसे यही बताते हैं कि सरकार के दावों के बरक्स साधारण लोगों को रेलगाड़ी से सफर के दौरान न केवल बहुस्तरीय मुश्किलों और बाधाओं का सामना करना पड़ता है, बल्कि कई बार जानलेवा जोखिम से भी गुजरना पड़ता है।पंजाब में पटियाला के पास राजपुरा में एक ट्रेन में आग लगने की घटना से एक बार फिर ट्रेन यात्रा को लेकर सवाल खड़ा हुआ है कि यात्री आखिर अपने गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने के किस भरोसे पर रेल यात्रा करे। गौरतलब है कि शुक्रवार को राजपुरा के पास अमृतसर से बिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लग गई। गनीमत बस यही रही कि समय रहते ट्रेन को रोक लिया गया और यात्री किसी तरह ट्रेन से उतरकर खुद को बचा सके।सवाल है कि एक चलती ट्रेन में आग लगने के बाद यात्रियों के हताहत न होने को क्या सिर्फ इस आधार पर सुरक्षा इंतजामों का एक आदर्श उदाहरण माना जा सकता है कि रेलवे के सुरक्षा तंत्र ने समय रहते खतरे का संकेत दे दिया? जिस तरह यात्रियों से भरी ट्रेन के चार डिब्बों में आग लग गई, ऐसे में इस हादसे का असर क्या हो सकता था, इसकी बस कल्पना ही की जा सकती है। अब एक औपचारिकता और रस्म की तरह आग लगने के कारणों की जांच की घोषणा हुई है, लेकिन उसके नतीजे क्या आएंगे, उसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा, क्या कार्रवाई होगी, इसका पता आम लोगों को शायद ही कभी लग पाए। इसके समांतर भारतीय ट्रेनों को अंतरराष्ट्रीय सुविधाओं से लैस करने के लिए आए दिन कार्यक्रमों की घोषणाएं होती रहती हैं। एक ओर बुलेट ट्रेन परियोजना का हवाला देकर रेलवे को नई ऊंचाई देने के दावे अक्सर दोहराए जाते रहते हैं, दूसरी ओर ट्रेनों के पटरी से उतरने, आपस में टक्कर से लेकर आग लगने की घटनाएं होती रहती हैं।कभी धुंध या कोहरे, तो कभी किसी अन्य कारण से ट्रेनों का अपने गंतव्य तक कई-कई घंटे की देरी से पहुंचना और निर्धारित ट्रेनों का रद्द होना एक आम व्यवस्था की तरह हो गई है। एक अनुमान के मुताबिक, रेल महकमे में अब भी करीब ढाई लाख पद खाली पड़े हैं। खुद रेलवे ने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत यह जानकारी दी थी।

मन की शांति में ही जीवन की सच्ची समृद्धि

कहावत है- 'चिंता चिता समान है।' यह केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन का गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य है। चिंता भविष्य की अनिश्चितताओं को वर्तमान की खुशियों पर हावी कर देती है। इसलिए तनाव से मुक्ति का पहला कदम है-अपनी परिस्थितियों को स्वीकार करना, समस्याओं को पहचानना और उनके समाधान की दिशा में विवेकपूर्ण प्रयास करना। इस संदर्भ में जैन धर्म के महान आध्यात्मिक आचार्य आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा विकसित एवं व्यवस्थित की गई प्रेक्षाध्यान पद्धति तनावमुक्त जीवन का एक अत्यंत प्रभावशाली मार्ग प्रस्तुत करती है।

(ललित गर्ग)

हमारी त्योहार संस्कृति भी तनाव के विरुद्ध एक सुंदर सामाजिक एवं सांस्कृतिक औषधि है। दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का संकल्प देती है। होली मन के पुराने विकारों और कटु स्मृतियों को रंगों में बहाकर संबंधों में नई आत्मीयता भरने का अवसर देती है। रक्षाबंधन रिश्तों की सुरक्षा और विश्वास का उत्सव है।

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मनुष्य ने संसार को सुविधाओं से भर दिया, लेकिन स्वयं के भीतर सुकून के लिए जगह कम कर ली। आज हमारे पास समय बचाने के असंख्य साधन हैं, पर समय का अभाव है, संवाद के अनगिनत माध्यम हैं, पर आत्मीयता का अकाल है, भौतिक समृद्धि के नए प्रतिमान हैं, लेकिन मानसिक शांति निरंतर दूर होती जा रही है। आधुनिक मनुष्य की इस विरोधाभासी स्थिति का सबसे बड़ा नाम है-तनाव। तनाव अब केवल मन की बेचैनी नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गंभीर सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक और वैश्विक चुनौती बन चुका है। इसी चुनौती के प्रति चेतना जगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 में इसकी थीम है- ''तनाव-मुक्ति और कल्याण के भविष्य को आकार देना तथा कार्यस्थल को फिर से मानवीय बनाना।'' यह विषय हमें याद दिलाता है कि कार्यस्थल केवल उत्पादन और उपलब्धियों का केंद्र नहीं, बल्कि मनुष्य की संवेदनाओं, गरिमा और मानसिक स्वास्थ्य का भी स्थान होना चाहिए। आज का मनुष्य सुबह आंख खुलने से लेकर रात आंख बंद होने तक एक अदृश्य दौड़ में शामिल है। नौकरी की असुरक्षा, व्यवसाय की प्रतिस्पर्धा, आर्थिक अपेक्षाएं, पारिवारिक जिम्मेदारियां, बच्चों की शिक्षा, युवाओं के भविष्य की चिंता, बुजुर्गों का अकेलापन और सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव उसके मन को लगातार मथता रहता है। शिक्षा के क्षेत्र में अंक और प्रतियोगिता बच्चों के बचपन पर भारी पड़ रहे हैं। कार्यस्थलों पर लक्ष्य, समय-सीमा और प्रदर्शन का दबाव व्यक्ति को मशीन में बदलने लगा है। परिवारों में संवाद की जगह मोबाइल ने और आत्मीयता की जगह औपचारिकताओं ने ले ली है।

इस व्यक्तिगत तनाव के ऊपर वैश्विक परिस्थितियों का बोझ भी कम नहीं है। युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं की खबरें मनुष्य के भीतर भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित करती हैं। दुनिया के किसी कोने में होने वाला संघर्ष अब केवल उस क्षेत्र की समस्या नहीं रहता, बल्कि संचार माध्यमों के कारण पूरी मानवता की सामूहिक चिंता बन जाता है। इस प्रकार



तनाव की सीमाएं घर की चारदीवारी से निकलकर राष्ट्रों और महाद्वीपों तक फैल गई हैं। तनाव को यदि समय रहते समझा और नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह शरीर और मन दोनों की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। लगातार तनाव से नींद में गड़बड़ी, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी समस्याएं, पाचन संबंधी परेशानियां, चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाग्रता में कमी जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। तनाव मनुष्य की निर्णय क्षमता को कमजोर करता है और उसके संबंधों में कटुता घोल देता है। कहावत है-'चिंता चिता समान है।' यह केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन का गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य है। चिंता भविष्य की अनिश्चितताओं को वर्तमान की खुशियों पर हावी कर देती है। इसलिए तनाव से मुक्ति का पहला कदम है-अपनी परिस्थितियों को स्वीकार करना, समस्याओं को पहचानना और उनके समाधान की दिशा में विवेकपूर्ण प्रयास करना। इस संदर्भ में जैन धर्म के महान आध्यात्मिक आचार्य आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा विकसित एवं व्यवस्थित की गई प्रेक्षाध्यान पद्धति तनावमुक्त जीवन का एक अत्यंत प्रभावशाली मार्ग प्रस्तुत करती है। प्रेक्षाध्यान का मूल भाव है-देखना, जागरूक होकर देखना और अपने भीतर घटित होने वाली प्रक्रियाओं को निष्पक्ष भाव से समझना। यह केवल आंखें बंद करके बैठने की क्रिया नहीं, बल्कि स्वयं से साक्षात्कार करने की वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक साधना है। आचार्य महाप्रज्ञ ने ध्यान, श्वास-प्रेक्षा, शरीर-प्रेक्षा, चौतन्य-केंद्र प्रेक्षा और अनुप्रेक्षा जैसे प्रयोगों के माध्यम से मनुष्य को अपने मन, शरीर और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा दी।

प्रेक्षाध्यान का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष है-भावनात्मक संतुलन। क्रोध, भय, ईर्ष्या, आवेश और निराशा जैसी वृत्तियों को पहचानकर उनके परिष्कार का प्रयास करना तनाव प्रबंधन की दिशा में सार्थक कदम है। प्रतिदिन 15 से 20 मिनट का नियमित ध्यान, श्वास पर एकाग्रता और आत्मनिरीक्षण व्यक्ति के जीवन में धैर्य, सहनशीलता तथा मानसिक स्थिरता विकसित कर सकते हैं। इस साधना का संदेश है कि परिस्थितियों को हमेशा बदलना संभव नहीं, लेकिन परिस्थितियों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया बदलना हमारे हाथ में है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा भी तनावमुक्त जीवन का अनमोल दर्शन प्रस्तुत करती है। उपनिषदों का आत्मबोध, गीता का निष्काम कर्मयोग, भगवान महावीर का समता दर्शन, भगवान बुद्ध का मध्यम मार्ग और पतंजलि का अष्टांग योग मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाने की प्रेरणा देते हैं। गीता का संदेश है-कर्म करो, फल की चिंता में स्वयं को मत उलझाओ। इसका अर्थ कर्म से पलायन नहीं, बल्कि परिणाम के अनावश्यक भय से मुक्त होकर पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। योग, प्राणायाम, ध्यान, मौन, स्वाध्याय और नियमित दिनचर्या मनुष्य को मानसिक संतुलन प्रदान करने के प्रभावी माध्यम हैं।

हमारी त्योहार संस्कृति भी तनाव के विरुद्ध एक सुंदर सामाजिक एवं सांस्कृतिक औषधि है। दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का संकल्प देती है। होली मन के पुराने विकारों और कटु स्मृतियों को रंगों में बहाकर संबंधों में नई आत्मीयता भरने का अवसर देती है। रक्षाबंधन रिश्तों की सुरक्षा और विश्वास का उत्सव है। ईद भाईचारे, सेवा और साझी खुशियों का संदेश देती है, तो क्रिसमस प्रेम, करुणा और क्षमा की प्रेरणा देता है। पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि, क्षमाभाव, संयम और आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करता है। विशेषकर क्षमापना का भाव मनुष्य के भीतर वर्षों से संचित कटुता और प्रतिशोध की गांठें खोल सकता है। त्योहारों का वास्तविक आनंद तभी है जब वे केवल बाहरी सजावट और खर्च तक सीमित न रहकर मनुष्यों को मनुष्यों के करीब लाएं। सामूहिक उत्सव, पारिवारिक मिलन, लोकगीत, संगीत, सेवा और प्रकृति के साथ जुड़ाव जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। तनावमुक्त समाज के निर्माण में कार्यस्थलों, शिक्षण संस्थानों और परिवारों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। कार्यालयों में मानवीय व्यवहार, काम और विश्राम के बीच संतुलन, सहकर्मियों के प्रति संवेदनशीलता तथा मानसिक स्वास्थ्य पर खुली बातचीत को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। विद्यालयों में बच्चों की तुलना करने के बजाय उनकी प्रतिभा को समझना आवश्यक है। परिवारों में एक-दूसरे को सुनने, साथ बैठने और भावनाओं को साझा करने की संस्कृति विकसित करनी होगी। पर्याप्त नींद, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, प्रकृति के सान्निध्य और डिजिटल माध्यमों के विवेकपूर्ण उपयोग को जीवनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। गंभीर या लगातार बने रहने वाले तनाव में मनोवैज्ञानिक अथवा योग्य चिकित्सक की सहायता लेने में भी संकोच नहीं करना चाहिए।

वस्तुतः तनाव से मुक्ति का अर्थ चुनौतियों से भागना नहीं, बल्कि चुनौतियों के बीच भी स्वयं को संभालकर रखना है। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, परिस्थितियां बदलती रहेंगी, अपेक्षाएं जन्म लेती रहेंगी, लेकिन इन सबके बीच मनुष्य अपने भीतर शांति का एक ऐसा दीप जला सकता है, जिसकी रोशनी बाहरी अंधेरों से प्रभावित न हो। हमें समझना होगा कि सफलता का अर्थ केवल अधिक पाना नहीं, बल्कि जो प्राप्त है उसमें संतोष, संबंधों में मधुरता और मन में संतुलन बनाए रखना भी है। अंततः जीवन की सार्थकता इस बात में नहीं कि हमने कितनी ऊंचाइयां छुईं, बल्कि इस बात में है कि उन ऊंचाइयों तक पहुंचते हुए अपने भीतर की शांति कितनी बचाकर रखी। तनाव को जीवन का स्वामी नहीं, अपनी जागरूकता से नियंत्रित की जाने वाली स्थिति बनाना ही इस दिवस का वास्तविक संदेश है। आइए, हम ऐसी जीवनशैली और ऐसी सामाजिक संस्कृति का निर्माण करें, जहां प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग, उपलब्धियों से अधिक आत्मीयता और भौतिक प्रगति से अधिक मानवीय संवेदनाओं का सम्मान हो। क्योंकि स्वस्थ मन ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और शांतिपूर्ण विश्व की आधारशिला है।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

रसगुल्ले से घेवर तक, पिन्नी से पेठे तक भारत की हर मिठाई में घुली है संस्कृति और परंपरा की मिठास

(अमिताभ स.)

दीपावली पर ज्यादातर बंटने वाले छैना मुरकी, छोटा रसगुल्ला, छोटा गुलाब जामुन, शाही पिन्नी, बेसन लड्डू, पतीसा, बालूशाही, चमचम, बर्फी वगैरह मिश्रित मिठाइयों के एक-एक किलो के डिब्बे भारतीय संस्कृतियों की विविधता को बखूबी दर्शाते हैं। दीपावली की रात महालक्ष्मी और गणेश जी के भोग के लिए भी मिश्रित मिठाई ही सर्वोत्तम मानी जाती है। इसका एक और फायदा है कि प्रसाद के तौर पर परिवार का हर सदस्य अपनी- अपनी पसंद की मिठाई से मुंह मीठा कर सकता है।

चूंकि हर तीज, त्योहार, मौसम और इलाके से किसी एक विशिष्ट मिठाई का खास जुड़ाव रहता है, इसीलिए देश के तमाम प्रदेशों और हिस्सों में अलग-अलग नामों और जायके की मिठाइयों का चलन सदियों से है। जम्मू और कश्मीर के हलवाई 'चाकलेट' नाम की देसी घी की मिठाई के लिए मशहूर हैं।

यह जम्मू बर्फी भी कहलाती है। इसकी खूबी है कि इसे जितना चबाया जाए, मुंह में उतना स्वाद उभरता जाता है। स्वाद का राज है कि इसमें दूध, खोया, चीनी और देसी घी के अलावा कुछ भी नहीं है। इसे तीन घंटे से ज्यादा भून-भून कर चाकलेट की तरह रंग एकदम गाढ़ा किया जाता है। उधर 'बाल मिठाई' उत्तराखंड की लोकप्रिय मिठाई है। यह भी भुने खोए पर चीनी की छोटी-छोटी सफेद बिंदों को चिपका कर बनाई जाती है और अंदर से दिखने में भूरे चाकलेट जैसी ही होती है।

दिल्ली की कलाकंद, मिल्क केक और खुरचन को लोकप्रियता में मिठाइयों का राजा कह सकते हैं। एक-दूसरे से मिलती-जुलती इन तीनों मिठाइयों को दूध और चीनी को घंटों काढ़-काढ़ कर बनाया जाता है। हालांकि इन मिठाइयों के बीच कम या ज्यादा घटों का फर्क होता है। शरद पूर्णिमा में दूध-चावल-चीनी की खीर खाने-खिलाने की प्रथा है। खीर तो पंजाबी परिवारों में सावन के दिनों में भी घर-घर बनाई-खाई जाती है।

सावन की सौगात मलाई घेवर और होली पर गुझिया के चर्चे अब राजस्थान से निकल कर देश-दुनिया में होने लगे हैं। दोनों मिठाइयां बेशक राजस्थान की हैं, लेकिन घेवर तो हरियाणा के सोनीपत और उत्तर प्रदेश के बागपत के बड़े मशहूर हैं। सबसे खास किस्म लाल रंग के करीब दिखते हैं। दूध और मलाई घेवर देसी घी के साथ मुंह में घुल जाते हैं। उत्तरप्रदेश और खासतौर पर कानपुर के मोती-चूर लड्डुओं का अपना रुतबा है। किस्म-किस्म के लड्डुओं के लिए पंजाब और उत्तर प्रदेश ही नहीं जाने जाते, दक्षिण भारत के कर्नाटक में मा-लड्डू, रावा लड्डू, खजूर लड्डू, गोंद गीरी लड्डू वगैरह खूब चाव से खाए जाते हैं। लड्डू ही नहीं, अन्य मिठाइयों में बेसन और देसी घी की मैसूर पाक की बात ही खास है। 'मिल्क मैसूर पाक' नाम की मिठाई भी जिसने खाई है, उसने तारीफ ही की है।

इसके अलावा, गुड़ और चावल की मट्ठी जैसी दक्षिण की एक और खासमखास मिठाई है- आधीरसम। फिर ठंड की शुरुआत के साथ ही झांग के हलवाई एक और मिठाई गुड़ के चीड़ के लड्डू बनाते और खिलाते हैं। इनके बीच में मैदे के गुड़-पारे हैं, ऊपर गुड़ की मोटी परत, जिसे खाते-खाते गुड़ की ऊपरी मोटी परत दांतों में चिपक-चिपक कर स्वादिष्ट लगती है। ये नमक पारे के मित्र गुड़-पारे से हट कर है। दीपावली के बाद मुरैना, मेरठ, आगरा, रोहतक वगैरह देश के कई शहरों से आकर, ज्यादातर गुड़-तिल की रेवड़ी-गजक की खासियत वाले पट्टी देश के सर्द इलाकों में छा जाते हैं।

इसी कड़ी में मथुरा के पेड़े हैं, आगरा का पेठा है, तो पंजाब की मशहूर मिठाई डोडा बर्फी भी है। इसे अंकुरित गेहूं को सुखा कर और फिर उसे पीस कर तैयार अंकुरी से बनाते हैं। अंकुरी, दूध, चीनी वगैरह की कड़ाही में घंटों काढ़-काढ़ कर डोडा को काजू-पिस्ता की टापिंग कर, बर्फी की शेप में बनाते हैं। इसी परिवार का 'हब्शी हलवा' मुसलिम बिरादरी की खासमखास मिठाई है। मगर जब स्वाद की बात आती है, तो सभी मिठाइयां समाज की पहचानों से ऊपर की चीज के रूप में सभी धार्मिक समूहों क रूप में स्वीकृत रही हैं।

दूध, समलख (अंकुरित गेहूं), देसी घी, जाफरान, केसर, मेवे, चीनी वगैरह को कड़ाही में दस से बारह घंटे पका कर बनाते हैं। कराची हलवा पाक शहर कराची से आकर भारत में भी छाया। जबकि सोहन हलवा ठेठ पुरानी दिल्ली की मिठाई कही जाती है। दोनों का स्वभाव एकदम जुदा है- कराची हलवा मुलायम और खिंचावदार है, जबकि सोहन हलवा देखने में बेशक सख्त लगता है, लेकिन खाने में कुरमुरा है,ज्यादा चबाना नहीं पड़ता। दोनों मुंह में घुल जाते हैं, क्योंकि इसमें करीब 70 फीसद देसी घी होता है।

पंजाब की उड़द दाल को भून कर बनी मेवों भरी पन्नियों की चाह कभी कम नहीं होती। पंजाब की ही सर्दियों की खास मिठाई तिल बुग्गा खोए-चीनी को भून कर, तिल और मेवे मिला कर, लड्डुओं की शक्ल में बनाते हैं। रसोगुल्ला, मोहन भोग, रसकदम, रसो माधुरी, संदेश वगैरह ज्यादातर बंगाली मिठाइयों की शान दुर्गा पूजा से काली पूजा ही नहीं, पूरे साल रहती है। काजू-चीनी की काजू कतली भी कुछ दशकों से ज्यादा मशहूर हुई है। यह भी सच है कि बेशक खोए में मिलावट का अंदेशा ज्यादा होता है, लेकिन सबसे ज्यादा और स्वादिष्ट मिठाइयां दूध से ही बनती हैं।

आमतौर पर, खोया-छेना के मुकाबले बेसन बर्फी, मोतीचूर लड्डू, पिन्नी, बालूशाही, पेठा, कराची हलवा वगैरह बिना खोए की होती हैं। बाकी मिठाइयों की खपत केवल तीस फीसद ही होती है। बिस्कुटों जैसी तीन महीने खाने लायक रहने की खासियत के चलते, बेसन की पंजाबी मिठाई पतीसा का भाई- हन सोनपापड़ी एक अर्से से घर-घर पहुंच गया है।

जिससे बदला लेना चाहते हैं, उसकी सजा खुद क्यों भुगतते हैं हम

सबसे बड़ी बात है कि किसी व्यक्ति के द्वारा अगर हमें अविश्वास मिलता है, तो हम अपने दूसरे संबंधों पर भी बिना कारण संदेह करने लगते हैं और यह हमारे व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। इसके कारण सभी रिश्ते-नाते प्रभावित होते हैं। मानसिक शांति में कमी और क्रोध का बार-बार आना हमारे निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करता है। हम किसी भी कार्य पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं। हमारे जीवन का केंद्र और ध्यान मात्र पीड़ा पहुंचाने वाले के ऊपर केंद्रित हो जाता है। इस तरह हम अपने मन को भले ही थोड़ा बहुत संतुष्ट कर लें, लेकिन हमारा भी नुकसान बहुत सारा...

(रेखा शाह आरबी)

हमें यह भी समझना चाहिए कि अगर कोई व्यक्ति गलत व्यवहार करता है, तो उसका व्यवहार उसकी जिम्मेदारी है। उसके कारण हमें अपने मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं होने देना चाहिए।

इंसान की अनेक प्रवृत्तियों में से एक प्रवृत्ति प्रतिशोध लेने की भी होती है। जब कोई उसके विश्वास को निर्दयता से तोड़ देता है या उसके आत्मसम्मान को चोट पहुंचाता है, उसकी भावनाओं का अनुचित लाभ उठाता है, उसके साथ अन्याय करता है या किसी कारण से पीड़ा पहुंचाता है, तब हमारे भीतर प्रतिशोध लेने की भावना जागृत हो जाती है। जो व्यक्ति हमें चोट पहुंचाता है, उसे भी वैसी ही चोट पहुंचाने की प्रबल इच्छा जागृत हो जाती है। हम अपने अपमान के बदले उसे दंडित करना चाहते हैं।

हमारा मन इसी प्रकार के न्याय की मांग पैदा करता है। कहीं न कहीं मन की ऐसी मांग करना पूरी तरह अनुचित भी नहीं है, क्योंकि हमें अपने साथ अन्याय की पीड़ा की अनुभूति होती है। हम अपना प्रतिशोध लेकर इसके पीछे के गहरे दुख, असुरक्षा और अपने सम्मान को फिर प्राप्त कर लेना चाहते हैं। जब किसी व्यक्ति के आत्मसम्मान को चोट लगती है, तो उसके घाव लंबे समय तक रहते हैं। सबसे ज्यादा अपनों के द्वारा किए गए अन्याय, छल और अपमान भुलाए नहीं भूलते हैं। मन व्यथित और आहत हो



जाता है।

किसी व्यक्ति के द्वारा स्वयं को महत्त्वहीन, कमजोर और सम्मान के योग्य नहीं पाना हमें अपने आत्ममूल्य का अवलोकन करने को मजबूर कर देता है। एक व्यक्ति के भीतर प्रतिशोध लेने की भावना मात्र इसलिए नहीं होती है कि वह किसी व्यक्ति को दंड देना चाहता है। बल्कि वह यह भी साबित करना चाहता है कि वह कमजोर नहीं है।

वह अपने आप को साबित करना चाहता है, क्योंकि उसके मन में सवाल उठते हैं कि 'क्या मैं इतना कमजोर हूं कि मुझे महत्त्वहीन समझा जाए' और 'मेरी अच्छाई का लाभ उठाया जाए'। 'क्या मैं लोगों की नजरों में सम्मान के योग्य नहीं' जैसे सवाल सहज रूप से उठते हैं। यही सब सवाल व्यक्ति को प्रतिशोध लेने के लिए उकसाते हैं। हालांकि प्रतिशोध लेने और मन में बैर पालने के अपने नुकसान अलग हैं।

जब कोई घटना हमें अपमानजनक, अन्यायपूर्ण या असंतोषजनक लगती है, तो हमारा मन उस घटना के भावनात्मक महत्त्व का आकलन करने लगता है। इसमें सहयोगी बनता है हमारा क्रोध, जिसके साथ तनाव सक्रिय हो सकता है। जब हम अत्यधिक अपमानजनक स्थिति में होते हैं, तो हमारे अंदर प्रबल रूप से क्रोध की भावनाएं उठने लगती हैं। कई बार हम अपने विवेक से पूरी तरह नियंत्रण खो देते हैं। हम सोचते हैं कि पीड़ा पहुंचाने वाले को पीड़ा पहुंचा देंगे, तो हमें मानसिक शांति की अनुभूति होगी। हमारा आत्मसम्मान संतुष्ट हो जाएगा। कभी-कभी ऐसा नहीं होता है। बल्कि इसके विपरीत प्रतिशोध का विचार क्षणिक रूप से हमें शांति का अनुभव करा सकता है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभाव भी कई हैं। मसलन, हमारी मानसिक शांति में कमी आ जाती है। हम हर वक्त उस घटना के बारे में सोचते रहते हैं और अपने मन में मंथन करते रहते हैं। और जब भी हम ऐसा करते हैं, तो क्रोध बार-बार सक्रिय हो जाता है, जिसके कारण हमारा ध्यान काम, पढ़ाई, संबंध और अन्य गतिविधियां प्रभावित होती हैं।

सबसे बड़ी बात है कि किसी व्यक्ति के द्वारा अगर हमें अविश्वास मिलता है, तो हम अपने दूसरे संबंधों पर भी बिना कारण संदेह करने लगते हैं और यह हमारे व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। इसके कारण सभी रिश्ते-नाते प्रभावित होते हैं। मानसिक शांति में कमी और क्रोध का बार-बार आना हमारे निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करता है। हम किसी भी कार्य पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं। हमारे जीवन का केंद्र और ध्यान मात्र पीड़ा पहुंचाने वाले के ऊपर केंद्रित हो जाता है। इस तरह हम अपने मन को भले ही थोड़ा बहुत संतुष्ट कर लें, लेकिन हमारा भी नुकसान बहुत सारा होता है।

इसलिए बहुत जरूरी है कि अपने मन के अंदर के प्रतिशोध की भावना से मुक्ति पाई जाए। प्रतिशोध से मुक्ति का तात्पर्य यह नहीं है कि हम अपने साथ अन्याय को भूल जाएं और उसे सही मानकर हमेशा अन्याय सहते रहें। बल्कि इसे एक सबक की तरह याद रखना ही बेहतर है। और ऐसे लोगों से दूरी बनाकर चलना ही सही है। जब ऐसी घटनाओं और व्यक्तियों को हम महत्त्व नहीं देंगे, तब हम मानसिक रूप से खुशहाल रह पाएंगे। किसी से भी प्रतिशोध लेने का अर्थ है भविष्य और वर्तमान के बजाय अतीत में भटकना। अगर मानसिक रूप से खुशहाल रहना है, तो सबसे पहले हमें यह स्वीकार करने की आवश्यकता है कि हम सभी के अंदर क्रोध, अपमान, ईर्ष्या और प्रतिशोध की भावना मौजूद है। इसे हमें पहचानने की आवश्यकता है।

सबसे जरूरी है कि अपने प्रतिशोध के विचारों के चक्र को तोड़ा जाए, ताकि हम अपना ध्यान सकारात्मक और अपनी सार्थक गतिविधियों की तरफ कर सकें। अगर हम प्रतिशोध से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो हमें क्षमा करने का भी प्रयास करना चाहिए, क्योंकि कई बार प्रतिशोध से ज्यादा असरकारी होता है क्षमा करना। ऐसा करना सामने वाले व्यक्ति को लज्जित करता है और उसे गलतियों की अनुभूति करवा देता है। बौद्ध दर्शन में द्वेष और मानसिक क्लेश को गहरा दुख माना गया है। हमें यह भी समझना चाहिए कि अगर कोई व्यक्ति गलत व्यवहार करता है, तो उसका व्यवहार उसकी जिम्मेदारी है। उसके कारण हमें अपने मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं होने देना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के वजीराबाद में मोबाइल छीनने का विरोध करने पर युवक की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली। दीपावली के दिन उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद इलाके में मोबाइल फोन और पैसे छीनने की कोशिश का विरोध करने पर कुछ बदमाशों ने 16 वर्षीय देवांश की चाकू मारकर हत्या कर दी। दिल्ली पुलिस के अनुसार घटना रविवार शाम करीब 7 बजे की है। जब चार अज्ञात युवकों ने वजीराबाद मार्केट के पास देवांश और उसके दोस्तों को घेर लिया। बदमाशों ने उसका फोन और पैसे छीनने का प्रयास किया, तो देवांश ने इसका विरोध किया। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि देवांश के विरोध के दौरान एक आरोपी ने चाकू निकालकर उसके सीने में वार कर दिया जिसके बाद आरोपी फोन और पैसे लेकर मौके से फरार हो गए। हमले के तुरंत बाद देवांश के दोस्त उसे घायल अवस्था में पास के एक निजी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।देवांश के परिवार के एक सदस्य ने बताया कि घटना के वक्त सभी लोग दीपावली की सजावट में व्यस्त थे और देवांश बाजार से और पटाखे खरीदने निकला था उसी दौरान कुछ बदमाशों ने देवांश को रोककर उससे पैसे और फोन छीनने की कोशिश की।परिजनों का आरोप है कि निजी अस्पताल ने उसे भर्ती करने से मना कर दिया, जिसके बाद उसे सिविल लाइंस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल, इस घटना से संबंधित मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गयी है। पुलिस के मुताबिक घटना से जुड़े एक संदिग्ध हमलावर के भाई को हिरासत में लिया गया है, जबकि मुख्य आरोपी की तलाश में छापेमारी जारी है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिल्ली के नरेला में पटाखा हाथ में फटने से 10 साल के बच्चे की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला इलाके में रविवार को दीपावली के दिन पटाखा हाथ में ही फटने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। दिल्ली पुलिस के अनुसार रविवार रात 09:45 बजे बच्चा अपने घर के सामने हाथ में पकड़कर 'अनार' पटाखा जला रहा था। इसी दौरान पटाखा अचानक फट गया, जिससे बच्चे की छाती पर गंभीर चोटें आईं और वह गंभीर रूप से झुलस गया। रात लगभग 10:50 बजे अस्पताल से उन्हें (पुलिस) सूचना दी गई कि बच्चे को मृत अवस्था में लाया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, पूरे मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है जिससे मौत के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

दिल्लीवासी आगे न जलायें पटाखे - दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पर्यावरण सुरक्षा और वायु प्रदूषण नियंत्रण की दृष्टि से आम नागरिकों को सलाह जारी की है। पुलिस का कहना है कि दीपावली के चलते दी गई दो दिन की छूट समाप्त हो गई है और अब राजधानी में पटाखे न जलायें जाएं।दिल्ली पुलिस के अनुसार नियमों के तहत ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति केवल 7-8 नवंबर तक ही सीमित थी। सोमवार (9 नवंबर) से पूरे दिल्ली-एनसीआर में आतिशबाजी पर पूर्ण प्रतिबंध प्रभावी हो गया है।पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित तारीखें समाप्त होने के बाद किसी भी तरह के पटाखे न जलाएं और जिम्मेदारी के साथ जश्न मनाएं। उन्होंने कहा है कि नियमों का पालन कर जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें। उल्लेखनीय है कि शहर के विभिन्न इलाकों और बाजारों में पुलिस की संयुक्त गश्ती टीमें निगरानी रख रही हैं। दिल्ली-एनसीआर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) रेड अलर्ट लाइन को पार गया है। राजधानी का एक्यूआई 'बेहद गंभीर' अवस्था में दर्ज किया गया है।

हर्ष मल्होत्रा ने हाथी घाट पर छठ की तैयारियों का किया निरीक्षण, 14 से 16 नवंबर तक आंदोलन न करने की अपील

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली सरकार के मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक अभय वर्मा ने सोमवार को लक्ष्मी नगर विधानसभा स्थित हाथी घाट, आई.टी.ओ. पर छठ महापर्व की तैयारियों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि छठ एक आस्था का एवं प्रकृति पूजन का महापर्व है, जिसमें स्वच्छता का विशेष महत्व है।हर्ष मल्होत्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरी दिल्ली, विशेषकर पूर्वी दिल्ली में छठ घाटों की सभी तैयारियां 13 नवंबर की शाम तक हर हाल में पूरी कर ली जाएं। उन्होने घाट की दीवारों पर किये आस्था से जुड़े सौन्दर्यीकरण की सराहना की।उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि लोक आस्था के महापर्व के तीन दिनों 14 से 16 नवंबर के बीच दिल्ली में कोई आंदोलन ना रखा जाए, ताकि व्रतधारी महिलाओं को कोई असुविधा ना हो।दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस बार पूर्वांचल मोर्चा के साथ-साथ महिला मोर्चा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सभी घाटों पर सेवा वालंटियर के रूप में श्रद्धालुओं की सहायता करेंगे। इस अवसर पर विधायक अभय वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं इस छठ महापर्व आयोजन की तैयारियों पर लगातार निगाह रखे हुए हैं और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि श्रद्धालुओं को हर सुविधा उपलब्ध हो।

दिल्ली में सरकारी सेवाओं में देरी पर तय होगी जवाबदेही



नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली (नागरिकों को समयबद्ध एवं सुगम सेवा वितरण का अधिकार) अधिनियम, 2026' (दिल्ली राइट ऑफ सिटिजन टू टाइम बाउंड एंड ईज ऑफ डिलीवरी ऑफ सर्विस एक्ट, 2026) को अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य सरकारी विभागों में सेवाओं के वितरण को निर्धारित समय-सीमा से बांधना और अनावश्यक देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करना है। यह अधिनियम वर्ष 2011 के पुराने समयबद्ध सेवा वितरण कानून की जगह एक अधिक आधुनिक और जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करेगा।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि नए कानून से नागरिकों को सरकारी सेवाएं निर्धारित समय के भीतर प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार मिलेगा। सरकार अधिसूचना के माध्यम से यह तय करेगी कि कौन-कौन सी सेवाएं इस कानून के दायरे में आएंगी और प्रत्येक सेवा को उपलब्ध कराने के लिए अधिकतम कितने दिन निर्धारित होंगे। प्रत्येक सेवा के लिए एक नामित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। संबंधित विभागों, स्थानीय निकायों और अधिसूचित संस्थाओं को भी कानून के दायरे में लाया जा सकेगा।उन्होंने कहा कि इससे किसी आवेदन के लंबित रहने पर जिम्मेदारी तय करना आसान होगा। इस व्यवस्था का लाभ यह होगा कि नागरिकों को अपनी सेवा के लिए अनिश्चितकाल तक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। उन्हें यह जानकारी रहेगी कि उनका काम किस अधिकारी को करना है और उसे पूरा करने की निर्धारित समय-सीमा क्या है।मुख्यमंत्री ने बताया कि अधिनियम में सरकारी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन और उनकी निगरानी की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक आवेदन को एक विशिष्ट आवेदन संख्या दी जाएगी, जिसके माध्यम से आवेदक अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन देख सकेंगे। संबंधित विभागों को सभी आवेदनों का डिजिटल रिकॉर्ड रखना होगा और उनकी स्थिति नियमित रूप से अपडेट करनी होगी।उन्होंने कहा कि आवेदन प्राप्त होने के बाद निर्धारित समय-सीमा में सेवा उपलब्ध कराना अथवा आवेदन अस्वीकार करने का कारण लिखित रूप में बताना संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी होगी। इससे नागरिकों को केवल अपने आवेदन की जानकारी लेने के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही, विभागीय स्तर पर लंबित मामलों की निगरानी भी अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अधिनियम का एक महत्वपूर्ण प्रावधान स्वतः अपील (ऑटोमेटिक एस्क्लेशन) की व्यवस्था है। यदि नामित अधिकारी निर्धारित समय-सीमा में सेवा उपलब्ध नहीं कराता है तो मूल आवेदन को ही नागरिक शिकायत निवारण प्राधिकरण के समक्ष अपील माना जाएगा। नागरिक को केवल देरी के कारण अलग से अपील दाखिल करने की जरूरत नहीं होगी। प्रत्येक विभाग में नामित अधिकारी से वरिष्ठ स्तर के अधिकारी को नागरिक शिकायत निवारण प्राधिकरण के रूप में नियुक्त किया जाएगा। यह प्राधिकरण मामले की सुनवाई करेगा, आवश्यक होने पर सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश देगा और देरी के लिए जिम्मेदारी भी तय कर सकेगा।उन्होंने बताया कि अपील का सामान्यतः 30 दिनों के भीतर निपटारा करना होगा। यदि प्राधिकरण निर्धारित अवधि में अपील का निपटारा नहीं करता है तो मामला स्वतः दिल्ली सेवा अधिकार आयोग तक पहुंचने की व्यवस्था भी की गई है। आयोग दूसरी अपीलों की सुनवाई करने के साथ कानून के क्रियान्वयन की निगरानी करेगा। उसे सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण करने, विभागीय कार्रवाई की सिफारिश करने, प्रक्रियाओं में सुधार सुझाने और आवश्यक मामलों में स्वतः संज्ञान लेकर जांच करने का अधिकार होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि नए नियम में अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक दंड का भी प्रावधान किया गया है। यदि बिना उचित कारण सेवा देने में देरी होती है तो संबंधित अधिकारी पर देरी के प्रत्येक दिन के लिए 250 रुपये का अर्थदंड लगाया जा सकेगा। इसकी अधिकतम सीमा 5,000 रुपये निर्धारित की गई है। इसके अलावा किसी आवेदन को अनुचित या बिना पर्याप्त कारण अस्वीकार करने पर 250 से लेकर 5,000 रुपये तक का एकमुश्त अर्थदंड लगाया जा सकेगा। आर्थिक दंड लगाने से पहले संबंधित अधिकारी को अपना पक्ष रखने और स्पष्टीकरण देने का पर्याप्त अवसर देना होगा। इसका उद्देश्य सरकारी सेवाओं में अनावश्यक देरी कम करना, शिकायतों का प्रभावी निपटारा करना और प्रशासन को नागरिकों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को सम्मान, पारदर्शिता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर उसका अधिकार सुनिश्चित करना है। समय पर सेवा मिलना नागरिक का अधिकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। नया समयबद्ध सेवा वितरण अधिनियम इसी सोच का परिणाम है।

खरगे के 'खुशियों की ईद' वाले बयान की भाजपा और विहिप ने की निंदा



नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दीपावली को 'खुशियों की ईद' बताने वाले बयान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने निंदा की है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इसे करोड़ों हिन्दुओं की भावनाओं को आहत करने वाला बयान बताते हुए कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण और हिन्दू विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। वहीं, विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने खरगे के बयान को पूरे हिन्दू समाज का अपमान बताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष से माफी मांगने की मांग की।गौरव भाटिया ने सोमवार को यहां भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि खरगे के बयान राहुल गांधी और सोनिया गांधी की हिन्दू तथा सनातन विरोधी मानसिकता को दर्शाते हैं। खरगे कांग्रेस के ऐसे अध्यक्ष हैं, जिन्हें सोनिया गांधी नियंत्रित करती हैं और राहुल गांधी उनके बयानों को दिशा देते हैं। दीपावली दुनिया के सबसे प्राचीन धर्मों और संस्कृतियों में से एक हिन्दू धर्म का प्रमुख त्योहार है। भगवान राम सभी के आराध्य हैं। ऐसे में कांग्रेस अध्यक्ष को दीपावली कहने में भी परेशानी क्यों हो रही है। भाटिया ने कहा कि जब पूरा देश दीपावली की शुभकामनाएं दे रहा था, तब खरगे ने इसे पूरी दुनिया के लिए 'खुशियों की ईद' बताया। क्या कांग्रेस की राजनीति अब हिन्दू त्योहारों की पहचान बदलने की हो गई है। खरगे के इस बयान से करोड़ों हिन्दुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। भाटिया ने राहुल गांधी और खरगे को चुनौती देते हुए कहा कि जब ईद आए तो वे उसे 'खुशियों की दीपावली' कहकर दिखाएं।उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का चरित्र मुस्लिम वर्ग का तुष्टीकरण करना और हिन्दू समाज की भावनाओं को आहत करना रहा है। दीपावली खुशियों, आनंद और समावेशिता का त्योहार है, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष के बयान ने इस अवसर पर भी हिन्दू समाज की भावनाओं को चोट पहुंचाई है। खरगे के बयान कांग्रेस की उसी मानसिकता को आगे बढ़ाते हैं, जिसका भाजपा लगातार विरोध करती रही है।विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने भी खरगे के बयान की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके अध्यक्ष को अब हर त्योहार में ईद दिखाई देती है। उन्होंने इस बयान को दुर्भाग्यपूर्ण, शर्मनाक और निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि यह पूरे हिन्दू समाज के अपमान का एक और उदाहरण है। बंसल ने कांग्रेस अध्यक्ष से माफी मांगने की मांग की।बंसल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के लिए हिन्दू त्योहार गर्व का विषय नहीं, बल्कि शर्म का विषय बन गए हैं। हिन्दू परंपराओं का मजाक उड़ाने और भारतीय संस्कृति का अपमान करने में कांग्रेस को न जाने कैसा सुख मिलता है। क्या तुष्टीकरण की राजनीति इतनी आगे बढ़ गई है कि कांग्रेस देश के बहुसंख्यक हिन्दू समाज की भावनाओं का सम्मान करना भी जरूरी नहीं समझती।विहिप प्रवक्ता ने कहा कि क्या कांग्रेस आपने सनातन संस्कृति के खिलाफ खड़ी है। यह केवल एक बयान का मामला नहीं है, बल्कि करोड़ों हिन्दुओं की आस्था और विश्वास से जुड़ा प्रश्न है। कांग्रेस को इस पर जवाब देना चाहिए।

गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल में स्थापित होगा मेडिकल कॉलेज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार रघुबीर नगर स्थित गुरु गोबिंद सिंह गवर्नमेंट हॉस्पिटल (जीजीएसजीएच) में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रही है। जिसमें एमबीबीएस की 150 सीटें और पोस्टग्रेजुएट (पीजी) की 40 सीटें होंगी। यह मेडिकल कॉलेज 1322 बेड वाले एक व्यापक स्वास्थ्य परिसर का हिस्सा होगा, जो वेस्ट दिल्ली में चिकित्सा शिक्षा, विशेष उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी।स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार एक बेहद मजबूत स्वास्थ्य सेवा तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ सुलभ और उन्नत उपचार सुविधाएं शामिल हों। इस मेडिकल कॉलेज की स्थापना और इससे जुड़े अस्पतालों का विस्तार लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने और भविष्य के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता बढ़ाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार मौजूदा अस्पताल परिसर में लगभग 13 एकड़ क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल बनाया जाएगा। इससे जुड़े हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर में 472 बिस्तरों वाला एक समर्पित 'मातृ एवं शिशु अस्पताल' और 850 बिस्तरों वाला एक 'जनरल अस्पताल' शामिल होगा, जिन्हें रघुबीर नगर में विकसित किया जा रहा है।यह विस्तार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि गुरु गोबिंद सिंह सरकारी अस्पताल वर्तमान में वेस्ट दिल्ली की लगभग 10 लाख लोगों की आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। इस बुनियादी ढांचे के विस्तार से इस क्षेत्र के लोगों के लिए विशेष चिकित्सा सेवाओं, आपातकालीन उपचार और क्रिटिकल केयर तक पहुंच और मजबूत होगी।

दिवाली पर पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 10 गुना वृद्धि- कपिल मिश्रा



नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने पंजाब में दिवाली के दिन पराली जलाने की 10 गुना वृद्धि (1200 घटनाओं) को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दिवाली की शाम से पंजाब के किसानों के फोन आने शुरू हुए, जिनमें बताया गया कि जब किसान अपने परिवार के साथ दिवाली मना रहे थे, उस दौरान उनके खेतों में आग लगाई जा रही थी। शुरुआत में इन शिकायतों पर विश्वास करना कठिन था, लेकिन लगातार विभिन्न क्षेत्रों से ऐसी सूचनाएं मिलने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए भारत सरकार के सैटेलाइट डेटा मंगवाया गया।कपिल मिश्रा ने सोमवार को अपने सरकारी आवास 9 शाम नाथ मार्ग, सिविल लाइन पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सैटेलाइट आंकड़ों के अनुसार पंजाब में 5, 6 और 7 नवंबर को पराली जलाने की घटनाएं लगभग 100 से 125 के बीच दर्ज हुई थीं, जबकि 8 नवंबर की शाम यह संख्या अचानक बढ़कर लगभग 1200 हो गई। उन्होंने कहा कि कुछ ही दिनों में घटनाओं की संख्या में इतनी बड़ी वृद्धि कई गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आशंका जताई कि किसानों के खेतों में जानबूझकर आग लगाकर दिवाली, किसानों और दिल्ली को बदनाम करने का प्रयास किया गया है।कपिल मिश्रा ने कहा कि "7 नवंबर को लगभग 125 स्थानों पर पराली जलने की घटनाएं थीं, फिर दिवाली के दिन अचानक 1200 स्थानों पर आग कैसे लग गई? 10 गुना से ज्यादा आंकड़ा कैसे बढ़ गया? यह बहुत गंभीर विषय है।"मंत्री कपिल मिश्रा ने पंजाब के किसानों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि किसान पूरी कोशिश कर रहे थे कि पराली न जलाएं। कुछ जगहों पर मजबूरी में आग लगी होगी, लेकिन दिवाली के दिन अचानक इतनी बड़ी संख्या में घटनाएं सामने आना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि "यह किसानों के खिलाफ साजिश है, यह दिवाली के खिलाफ साजिश है, यह दिल्ली के खिलाफ साजिश है और यह पंजाब के खिलाफ साजिश है।" कपिल मिश्रा ने पंजाब के विभिन्न शहरों के प्रदूषण स्तर का उल्लेख करते हुए कहा कि 9 नवंबर की सुबह मलोट में एक्यूआई 1238, अबोहर में 1307 और संगरूर में 1651 दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसानों और आम नागरिकों का भी दम घुट रहा है। उन्होंने सवाल किया कि "आज संगरूर का जो एक्यूआई है, उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? बठिंडा का AQI किसकी जिम्मेदारी होगी? आखिर पंजाब के किसानों के खेतों में आग कौन लगा रहा है और यह आग क्यों लगवाई जा रही है?" कपिल मिश्रा ने आरोप लगाया कि दिवाली से पहले ही आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा दिवाली, पटाखों और सनातन परंपराओं के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि दिवाली के खिलाफ अपमानजनक बयान, हिंदुओं के त्योहारों का अपमान और सनातन परंपराओं के खिलाफ अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में अचानक हुई वृद्धि और दिवाली के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के समय को लेकर गंभीर संदेह उत्पन्न होते हैं।उन्होंने कहा कि केजरीवाल और उनकी पार्टी के लोग दिवाली, पटाखों और सनातन के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। सनातन को गाली देना और हिंदुओं के त्योहारों का अपमान करना बंद करिए। दिवाली और सनातन के खिलाफ यह पाप मत करिए। इस पाप के लिए ईश्वर आपको कभी माफ नहीं करेगा।कपिल मिश्रा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से अपील की कि 8 नवंबर की रात जिन-जिन क्षेत्रों में खेतों में आग लगने की घटनाएं हुई हैं, वहां तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाए और विस्तृत जांच की जाए। उन्होंने कहा कि 7 नवंबर को केवल 125 जगह पर पराली जलाई गई, 6 नवंबर को लगभग 100 जगह और 5 नवंबर को भी लगभग 100 जगह पर घटनाएं दर्ज हुईं। फिर 8 नवंबर की शाम अचानक 1200 जगहों पर आग कैसे लग गई? यह सैटेलाइट का वैज्ञानिक आंकड़ा है, जो गंभीर सवाल खड़े करता है। दिल्ली में प्रदूषण के मुद्दे पर कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रदूषण आज भी एक गंभीर समस्या है और इसे समाप्त करने के लिए लगातार प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने प्री-दिवाली और पोस्ट-दिवाली प्रदूषण के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2023 में प्रदूषण में 43.33 प्रतिशत और 2024 में लगभग 10 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई थी, जबकि इस वर्ष पहली बार प्री-दिवाली और पोस्ट-दिवाली प्रदूषण के आंकड़ों में 1.33 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। उन्होंने कहा कि "यह पहली बार है कि प्री-दिवाली और पोस्ट-दिवाली प्रदूषण में माइनस 1.33 प्रतिशत का आंकड़ा आया है। यह पहली बार है। ऐसा नहीं है कि प्रदूषण खत्म हो गया है या प्रदूषण कोई समस्या नहीं है, लेकिन जब लोगों की नीयत साफ होती है, मेहनत से काम किया जाता है और जनता तथा सरकार मिलकर प्रयास करते हैं, तो उसके परिणाम दिखाई देते हैं। कपिल मिश्रा ने कहा कि किसानों, दिवाली और सनातन परंपराओं को एक-दूसरे के विरोध में खड़ा करने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसान शांति से दिवाली मनाना चाहते थे और उन्हें किसी राजनीतिक अभियान का हिस्सा बनाकर बदनाम नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने भगवंत मान से किसानों के हित में तत्काल कार्रवाई करने, खेतों में आग लगाने वालों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग की।

कैट का राष्ट्रीय सम्मेलन दिल्ली में 13 नवंबर को, व्यापारी नेता सुरक्षा पर करेंगे मंथन

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की 13 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रीय सम्मेलन होगी, जिसमें व्यापारिक नेता विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण कारोबार में होने वाली दिक्कतों पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन में व्यापारियों की आजीविका की सुरक्षा के लिए समन्वित रणनीति तैयार करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने सोमवार को कहा कि इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न राज्यों एवं प्रमुख व्यापारिक संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस सम्मेलन में दिल्ली में पिछले एक महीने के दौरान हुए विभिन्न आंदोलनों, धरनों एवं प्रदर्शनों से व्यापार को हुए नुकसान, व्यापारियों, दुकानदारों, छोटे कारोबारियों, रेहड़ी-पटरी वालों तथा व्यापार पर निर्भर लाखों लोगों की आजीविका पर पड़े प्रभाव का विस्तार से विश्लेषण भी किया जाएगा।खंडेलवाल ने कहा कि देश की राजधानी नई दिल्ली में पिछले लगभग एक महीने के दौरान विभिन्न राजनीतिक आंदोलनों, धरनों एवं प्रदर्शनों के कारण व्यापारिक गतिविधियों में हुए व्यापक व्यवधान और व्यापारियों की आजीविका पर पड़े प्रतिकूल प्रभाव को लेकर देशभर के व्यापारी समुदाय में गहरी नाराजगी, चिंता एवं क्षोभ व्याप्त है। इस गंभीर विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श करने तथा भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से व्यापार एवं रोजी-रोटी को सुरक्षित रखने की ठोस रणनीति बनाने के लिए कैट ने आगामी 13 नवंबर को देश के सभी राज्यों के वरिष्ठ व्यापारी नेताओं की एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन बुलाई है।कैट महामंत्री ने कहा कि राजधानी दिल्ली में हुए घटनाक्रम ने केवल दिल्ली के व्यापारियों को ही नहीं, बल्कि देशभर के व्यापारी समुदाय को गहरे आक्रोश एवं चिंता में डाल दिया है। देश की राजधानी में व्यापारिक गतिविधियों का बाधित होना केवल दुकानों के बंद रहने या बिक्री कम होने का मामला नहीं है, बल्कि इससे आपूर्ति श्रृंखला, माल की आवाजाही, कर्मचारियों की आजीविका, छोटे कारोबारियों के नकदी प्रवाह तथा देश की अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि त्योहारों एवं विवाह के मौसम जैसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक समय में इस प्रकार के व्यवधान का असर और भी गंभीर हो जाता है।खंडेलवाल ने कहा कि अब समय आ गया है कि देश के प्रत्येक शहर में विरोध एवं प्रदर्शनों के लिए शहरों के बाहरी क्षेत्रों अथवा ऐसे उपयुक्त स्थानों को निर्धारित किया जाए, जहां लोग शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रख सकें और लोकतांत्रिक विरोध भी हो सके, लेकिन शहरों के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों, बाजारों, परिवहन मार्गों एवं व्यावसायिक गतिविधियों को बाधित न होना पड़े। यह व्यवस्था केवल दिल्ली तक सीमित न रहकर देशभर के सभी राज्यों एवं शहरों में लागू किए जाने पर विचार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन में व्यापारी नेता यह तय करेंगे कि इस विषय पर आगे किस प्रकार की राष्ट्रीय रणनीति अपनाई जाए। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन का एजेंडा केवल आंदोलनों से व्यापार को होने वाले नुकसान तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें देश के व्यापारिक क्षेत्र को अधिक सरल, सुरक्षित, आधुनिक एवं प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी व्यापक चर्चा होगी। इनमें प्रमुख रूप से जीएसटी में रिफॉर्म लाने हेतु जीएसटी की प्रक्रियाओं को और सरल बनाने, विभिन्न रिटर्न एवं अनुपालन संबंधी जटिलताओं को कम करने, की तकनीक समस्याओं का समाधान करने, छोटे व्यापारियों को अधिक सुविधाएं देने तथा अनावश्यक नोटिस एवं मुकदमेबाजी को कम करने के लिए आवश्यक सुझाव देने पर भी विचार किया जाएगा।साइबर फ्रॉड से व्यापारियों की सुरक्षा हेतु डिजिटल भुगतान, यूपीआई, बैंकिंग एवं ऑनलाइन व्यापार में बढ़ते साइबर अपराधों से व्यापारियों को सुरक्षित रखने, त्वरित शिकायत निवारण, बैंक खातों को अनावश्यक रूप से फ्रीज किए जाने की समस्याओं तथा साइबर धोखाधड़ी के मामलों में प्रभावी सहायता व्यवस्था बनाने पर विचार होगा। कैट के राष्ट्रीय चेयरमैन ब्रजमोहन अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन में एक व्यापारी–एक लाइसेंस की व्यवस्था पर भी चिंतन होगा। व्यापारियों को एक ही व्यवसाय के संचालन के लिए अनेक विभागों एवं प्राधिकरणों से अलग-अलग लाइसेंस लेने की अनिवार्यता से राहत दिलाने पर भी चर्चा होगी।

जम्मू-कश्मीर समेत पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश, बर्फबारी का अलर्ट



नई दिल्ली। देश के मौसम में अगले कुछ दिनों में बड़ा बदलाव होने के आसार हैं। एक तरफ दिल्ली में ठंड के साथ कोहरा गहराने के आसार हैं, वहीं जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर-पश्चिम के पहाड़ी इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से भारी बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान है।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अगले दो दिनों के दौरान आसमान मुख्यतः साफ रहने के आसार हैं। सुबह और देर रात के समय अधिकतर हिस्सों में हल्के से मध्यम कोहरा छाए रहने का अनुमान है। इस बीच का अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14-17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।उत्तर-पश्चिम भारत क्षेत्रों में 10 नवंबर की रात से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने के आसार हैं। इस कारण जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में 12-13 नवंबर को कश्मीर घाटी और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, 10-15 नवंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर बारिश तथा ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का अनुमान है। पंजाब में 12-15 नवंबर के दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।दक्षिण और पूर्वी भारत के दक्षिण प्रायद्वीप क्षेत्रों में तमिलनाडु में 10 नवंबर को जबकि केरल तथा माहे में 10-15 नवंबर को भारी बारिश का अनुमान है। कोमोरिन क्षेत्र के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण केरल और तमिलनाडु में गरज-चमक के साथ बारिश की स्थिति बनी रहेगी। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में 10-15 नवंबर के दौरान में व्यापक बारिश होने के आसार हैं। वहीं, 10-14 नवंबर के बीच 40-60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।पूर्वोत्तर राज्यों में अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 10-12 नवंबर के बीच बारिश होने की संभावना है। 11 नवंबर को नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के वीडियो पोस्ट करने पर पूर्व सीएम की शिकायत

कानपुर , एजेंसी। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बयान को तोड़-मरोड़ कर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का आरोप है। उनके शिष्यों ने डीसीपी कार्यालय में ज्ञापन देकर शिकायत की है। बागेश्वर धाम शिष्य मंडल के प्रतिनिधियों का आरोप है कि जानबूझकर वीडियो पोस्ट किए गए। प्रतिनिधिमंडल ने एसीपी बाबूपुरवा वीरेंद्र विक्रम को भी ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की है।मंडल के प्रभारी अनुराग तिवारी और सह प्रभारी सत्य प्रकाश वर्मा के मुताबिक अखिलेश यादव के आधिकारिक एक्स हैंडल व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से पंडित धीरेंद्र शास्त्री के वक्तव्यों को मूल संदर्भ से अलग कर वायरल किया गया। इससे अनुयायियों और श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

115 किसानों को बताए वैज्ञानिक खेती व टिकाऊ सब्जी उत्पादन के तरीके

वाराणसी , एजेंसी। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान ने शनिवार को चिरईगांव विकास खंड की रैमला और सीवों ग्रामसभा में खेत बचाओ अभियान चलाया। इसमें 88 पुरुष और 27 महिलाओं सहित कुल 115 किसानों ने भाग लिया। उन्हें वैज्ञानिक खेती और टिकाऊ सब्जी उत्पादन के प्रति जागरूक किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. राजेश कुमार के मार्गदर्शन में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. मोहम्मद शाहिद ने किसानों को मृदा परीक्षण, संतुलित उर्वरक प्रयोग और जैविक खाद के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे खेती की लागत कम होती है और मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है। डॉ. स्वाति शर्मा ने प्राकृतिक खेती और खाद्य प्रसंस्करण पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जैविक खादों के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन और विपणन से किसानों की आय बढ़ाने के उपाय भी सुझाए।

नगर निगम ने जब्त की 48 किलो पॉलीथीन

गोरखपुर , एजेंसी। त्योहारों के दौरान बाजार में बढ़ती भीड़ के बीच सड़क और फुटपाथ खाली रखने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए नगर निगम ने प्रतिबंधित पॉलीथीन और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। एक अक्तूबर से छह नवंबर तक चलाए गए अभियान में प्रवर्तन दल ने 48 किलो 400 ग्राम प्रतिबंधित पॉलीथीन जब्त की। इस दौरान पॉलीथीन के इस्तेमाल पर 8,800 रुपये और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 25,540 रुपये जुर्माना वसूला गया। दोनों अभियानों से नगर निगम को कुल 34,340 रुपये जुर्माना मिला। अपर नगर आयुक्त अतुल कुमार ने बताया कि त्योहारों के दौरान बाजारों में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। ऐसे में दुकानदारों और पटरी व्यवसायियों की ओर से सड़क और फुटपाथ पर सामान फैलाने से आवागमन प्रभावित होता है। इसे देखते हुए प्रवर्तन दल को नियमित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रतिबंधित पॉलीथीन के इस्तेमाल और बिक्री पर भी निगरानी रखी जा रही है।

किसानों को नहीं होगी उर्वरक की कमी, पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

गोरखपुर, एजेंसी। देर से हुई बारिश के कारण खेतों में अधिक नमी बनी हुई है, जिससे धान की कटाई और अगैती बोआई में देरी हुई है। इसके बावजूद किसानों को रबी की फसल के लिए उर्वरक की कमी नहीं होगी। जिले की साधन सहकारी समितियों और गोदामों पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है।एआर नीरज कुमार ने बताया कि उर्वरक की आपूर्ति लगातार जारी है और रैक भी नियमित रूप से आ रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि जहां भी जरूरत होगी, वहां उर्वरक भेजा जाएगा। गोदामों पर 5651 मीट्रिक टन यूरिया और 451 मीट्रिक टन डीएपी मौजूद है। इसके अतिरिक्त 1425 टन अन्य फास्फेटिक खाद भी उपलब्ध है।साधन सहकारी समितियों पर 5837 मीट्रिक टन यूरिया और 1007 मीट्रिक टन डीएपी का स्टॉक है। यहां 902 मीट्रिक टन अन्य फास्फेटिक खाद भी उपलब्ध है। किसानों ने अब तक समितियों से 1500 मीट्रिक टन यूरिया और 2300 मीट्रिक टन डीएपी का उपयोग किया है। साथ ही 400 मीट्रिक टन अन्य फास्फेटिक उर्वरक भी किसानों द्वारा लिया जा चुका है। इस साल रबी की फसल के लिए उर्वरक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यूरिया का लक्ष्य 30590 मीट्रिक टन, जबकि डीएपी का लक्ष्य 10985 मीट्रिक टन रखा गया है। अन्य उर्वरकों का लक्ष्य 2950 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। नीरज कुमार ने कहा कि उर्वरक की कमी नहीं होने दी जाएगी। रैक आती रहेंगी और उर्वरक समितियों तक पहुंचता रहेगा।

13 को फार्मासिस्टों का हल्लाबोल, सीएमओ दफ्तर पर देंगे धरना

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में मानदेय वृद्धि, पदोन्नति, स्थायीकरण सहित 18 सूत्री मांगों को लेकर 13 नवंबर को फार्मासिस्ट प्रदर्शन करेंगे। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप सिंह सचान और जिला मंत्री विवेक सिंह यादव ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी को पत्र लिखकर जानकारी दी है।उन्होंने बताया कि जनपद के सभी प्रभारी अधिकारी फार्मेसी, चीफ फार्मासिस्ट और फार्मासिस्ट मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर एक दिवसीय धरना देंगे। इस दौरान सीएमओ के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। इसके बाद 20 नवंबर को जिले के सभी प्रभारी अधिकारी फार्मेसी, चीफ फार्मासिस्ट एवं फार्मासिस्ट महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन में भाग लेंगे।

दीपों की रोशनी से जगमगाई राजधानी लखनऊ

लखनऊ, एजेंसी। दीपों की कतारें, रंग-बिरंगी झालरों से जगमगाते घर, फूलों और रंगोली से सजी चौखटें और आसमान में चमकती आतिशबाजी... रविवार को दीपावली पर राजधानी का हर कोना रोशनी और उल्लास से सराबोर नजर आया। सुबह से ही घरों में त्योहार की तैयारियां शुरू हो गई थीं। शाम ढलते ही शहर की गलियां, मोहल्ले और बाजार दीपों की रोशनी से नहा उठे। कहीं परिवार के साथ लक्ष्मी-गणेश का पूजन हुआ तो कहीं बच्चों ने फुलझड़ियां और अनार जलाकर खुशियां मनाईं। मिठाइयों की मिठास, अपनों से मुलाकात और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देने का सिलसिला देर रात तक चलता रहा।



दीपावली की रौनक सुबह से ही घरों में दिखाई देने लगी थी। लोगों ने घरों की सफाई और सजावट के बाद मुख्य द्वार पर रंगोली बनाई। दरवाजों पर फूलों के बंदनवार लगाए गए तो छतों, बालकनी और खिड़कियों पर बिजली की रंगीन झालरें सजाई गईं। मिट्टी के दीयों में तेल और बाती डालकर उन्हें चौखट, आंगन और छतों पर सजाया गया। शाम होते ही जब एक साथ दीप जले तो पूरा शहर जगमगा उठा।

अमीनाबाद, चौक, हजरतगंज, भूतनाथ बाजार और आलमबाग में दीपावली की रौनक देखते ही बनी। मिठाई, खील-बताशे, फूल-माला, पूजन सामग्री, सजावटी सामान और उपहारों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ रही। मिट्टी के दीये, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं और रंग-बिरंगी सजावटी लाइटें लोगों को आकर्षित करती रहीं। दुकानदारों ने भी अपने प्रतिष्ठानों को फूलों और रोशनी से सजाया। देर तक खरीदारी का सिलसिला चलता रहा।

विधि-विधान से हुआ लक्ष्मी-गणेश पूजन : शाम को शुभ मुहूर्त में घरों और प्रतिष्ठानों में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की गई। लोगों ने सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। व्यापारियों ने दुकानों और प्रतिष्ठानों में बही-खातों का पूजन किया। पूजा के बाद घरों में दीप जलाए गए और प्रसाद वितरित किया गया। बच्चों ने बड़ों का आशीर्वाद लिया और परिवार के सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली की बधाई दी।रात होते ही आतिशबाजी का दौर शुरू हो गया। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी बिखेरते पटाखों के बीच बच्चों का उत्साह देखते ही बना। घरों की छतों और खुले स्थानों पर परिवार के लोग एक साथ जुटे। कहीं फुलझड़ियां चमकीं तो कहीं अनार और रंगीन रोशनी वाले पटाखों ने उत्सव का रंग और गहरा कर दिया।

दीपावली के दिन भी आठ उड़ानें लेट, त्योहार पर समय से नहीं पहुंच पाए यात्री; परेशानी

वाराणसी, एजेंसी। दीपावली के दिन भी हवाई यात्रियों को उड़ानों के संचालन में गड़बड़ी का सामना करना पड़ा। आठ उड़ानें देरी से संचालित हुईं, जबकि छह उड़ानें निरस्त रहीं। इसके चलते यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। त्योहार पर घर पहुंचने की तैयारी कर रहे कई यात्री समय से अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सके। एयरपोर्ट पर यात्रियों को इंतजार करना पड़ा।

मौसम और तकनीकी कारणों से दिवाली के दिन भी विमानों का संचालन प्रभावित रहा। रविवार को आठ उड़ानें देर से आईं-गईं और छह निरस्त रहीं। निरस्त उड़ानों की जानकारी पहले से यात्रियों को दी गई थी। वहीं, देरी के कारण कुछ यात्रियों को एयरपोर्ट पर लंबा इंतजार करना पड़ा। संचालन प्रभावित होने के कारण दिवाली के दिन भी यात्री समय से अपने घरों पर नहीं पहुंच पाए।

रविवार को इंडिगो की बंगलूरू-वाराणसी-बंगलूरू 1.10 घंटे और दिल्ली-वाराणसी-दिल्ली की उड़ानें 34 मिनट की देरी से आईं और प्रस्थान कीं। ऐसे ही एयर इंडिया एक्सप्रेस की बंगलूरू-वाराणसी-बंगलूरू 21 मिनट और मुंबई-वाराणसी-मुंबई की उड़ानें 23 मिनट की देरी से पहुंचीं और प्रस्थान कीं। वहीं, स्पाइस जेट की छह उड़ानें निरस्त रहीं।



स्पाइस जेट की मुंबई-वाराणसी-मुंबई, पुणे-वाराणसी-पुणे और दिल्ली-वाराणसी-दिल्ली की उड़ानें निरस्त रहीं। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि उड़ानों की देरी और निरस्त होने की सूचना पहले से ही यात्रियों को दी गई थी। एयरपोर्ट पर देर से आए उड़ानों के यात्रियों को पूरी व्यवस्था कराई गई थी।

आगरा से मुरैना होते हुए ग्वालियर, 90 मिनट का रह जाएगा सफर , रफ्तार पकड़ेगा निर्माण

आगरा , एजेंसी। लंबे समय से सुस्त पड़ी आगरा-ग्वालियर रोड की महत्वाकांक्षी ग्रीनफील्ड सिक्स-लेन राजमार्ग परियोजना अब तेजी से परवान चढ़ेगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इसके लिए करोड़ों रुपये जारी किए हैं। साथ ही, जिला प्रशासन से संपर्क कर मुआवजा वितरण प्रक्रिया जल्द पूरी करने और भूमि पर कब्जा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

यह नवीन सिक्स-लेन राजमार्ग आगरा से शुरू होकर धौलपुर और मुरैना होते हुए ग्वालियर में समाप्त होगा। मुआवजा वितरण में उपजे विवाद से लुहैटा समेत कई क्षेत्रों में काम अटक गया था। कम मुआवजे का हवाला देकर कई भू-स्वामियों ने कोर्ट का रुख किया, जिससे लंबी कानूनी लड़ाई चली। अब जिला प्रशासन और एनएचएआई किसानों को उचित मुआवजा देने पर सहमत हो गए हैं।

एनएचएआई ग्वालियर खंड के परियोजना निदेशक भरत सिंह ने बताया कि मुआवजा वितरित करने के लिए 18.14 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इससे पहले 144 करोड़ रुपये जारी हो चुके हैं।



जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि पात्र भू-स्वामियों को मुआवजा राशि का वितरण अतिशीघ्र सुनिश्चित कराएं। इसके अलावा, आर्बिट्रेटर (मध्यस्थ अपर आयुक्त आगरा मंडल) की ओर से पारित आदेशों के संशोधित अवार्ड से जुड़े मामलों का भी निस्तारण कर राशि जमा कराने को कहा गया है। निधि जारी होने और प्रशासनिक सक्रियता बढ़ने से अब यह उम्मीद बंध गई है कि आगरा-ग्वालियर रोड का निर्माण कार्य जल्द ही धरातल पर तेजी से आगे बढ़ेगा।

प्रदेश में चार जनवरी को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची, 17 नवंबर को होगा प्रारूप सूची का प्रकाशन

लखनऊ। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर)-2027 के तहत प्रदेश में मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने छह नवंबर को संशोधित कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। इसके तहत एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन अब 17 नवंबर को होगा। इसी दिन से दावे और आपत्तियां दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होगी, जो 16 दिसंबर तक चलेगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से छह नवंबर को जारी पत्र में बताया गया है कि आयोग के संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक मतदान केंद्रों के युक्तिकरण/पुनर्व्यवस्था की प्रक्रिया दो नवंबर तक पूरी की जानी थी, जिसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 17 नवंबर को होगा। साथ ही मतदाताओं से दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी।

इनके निस्तारण की अंतिम तारीख 28 दिसंबर निर्धारित की गई है। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन चार जनवरी 2027 को किया जाएगा। सीईओ कार्यालय ने सभी संबंधित अधिकारियों को आयोग के संशोधित कार्यक्रम की जानकारी देने और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं। राजनीतिक दलों को भी संशोधित कार्यक्रम की लिखित जानकारी देने को कहा गया है।



ये है संशोधित कार्यक्रम

- एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन = 17 नवंबर
- दावे एवं आपत्तियां = 17 नवंबर से 16 दिसंबर
- दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण = 28 दिसंबर तक
- अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन = 4 जनवरी 2027

मोहनलालगंज में दो सड़क हादसों से मची अफरातफरी, किसान नेता की बेटी समेत तीन घायल

लखनऊ, एजेंसी। सोमवार सुबह मोहनलालगंज कस्बे और गौरा चौराहे पर हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में किसान नेता की बेटी सहित तीन लोग घायल हो गए। इन घटनाओं के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सभी घायलों को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।यह दुर्घटना मोहनलालगंज कस्बे में हुई, जहां प्रयागराज की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने किसान नेता की गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में किसान नेता अशोक यादव की बेटी शिवांकी समेत दो लोग घायल हो गए। दोनों घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर मारने वाली कार का चालक शराब के नशे में था और दुर्घटना के बाद अपनी दबंगई दिखाने लगा। इस हादसे के कारण लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त कारों को सड़क से हटवाकर यातायात को सुचारू कराया। दूसरी दुर्घटना गौरा चौराहे पर हुई, जहां सड़क पार कर रहे चेतराम (पुत्र नन्हू, निवासी गौरा कॉलोनी) को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सिर में गहरी चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुँचाया गया।

177 साल पहले काशी में दीपावली पर मिठाई के साथ बांटे जाते थे भुने अनाज

वाराणसी। काशी की दीपावली की परंपराएं सदियों पुरानी हैं। रोशनी, पूजा-पाठ और उत्सव के साथ इस पर्व का सामाजिक और सांस्कृतिक स्वरूप भी खास रहा है। दीपावली पर मिठाइयां बांटने की परंपरा तो आज भी कायम है, लेकिन कभी काशी में मिठाइयों के साथ भुने हुए अनाज भी बांटे जाते थे।

करीब 177 साल पहले काशी आए ब्रिटिश यात्री और लेखक एमए शेरिंग ने अपनी पुस्तक 'सेक्रेड सिटी ऑफ हिंदू' में दीपावली के ऐसे ही स्वरूप का उल्लेख किया है। उनके विवरण से पता चलता है कि उस दौर में दीपावली केवल घरों तक सीमित त्योहार नहीं थी, बल्कि पूरा नगर सामूहिक उत्सव में शामिल होता था। शेरिंग ने लिखा है कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को पूरे नगर में दीपावली का मेला लगता था। यह हिंदुओं के लिए अत्यंत हर्ष और उल्लास का पर्व था, जिसमें मुसलमान भी कुछ हद तक भागीदारी करते थे। इस दिन पूरा शहर दीपों की रोशनी से जगमगा उठता था। घरों से लेकर सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों तक दीप जलाए जाते थे।



त्योहार की खुशियां बांटने के लिए लोग अपने मित्रों और परिचितों के बीच मिठाइयां और भुने हुए अनाज वितरित करते थे। गरीबों को भी ये वस्तुएं दान की जाती थीं। यहां तक कि सबसे गरीब व्यक्ति भी अपने घर के दरवाजे के सामने अपना छोटा-सा चिराग या दीपक जलाता है। कुओं, मंदिरों, मूर्तियों और स्थानीय लोगों के लिए धार्मिक या सांस्कृतिक महत्व रखने वाले लगभग सभी स्थानों को दीपों से सजाया जाता है। यह त्योहार धन की देवी लक्ष्मी के सम्मान में मनाया जाता है।

एमए शेरिंग ने अपनी पुस्तक में दीपावली की रात जुआ खेलने की परंपरा का भी जिक्र किया है। उन्होंने लिखा है कि समाज के सभी वर्गों, ऊंच-नीच और हर जाति के लोग इस रात जुआ खेलते थे। यहां तक कि ऐसे लोग भी इस परंपरा में शामिल होते थे, जो सामान्य दिनों में कभी जुआ नहीं खेलते थे। यानी दीपावली की रात जुआ खेलना भी उस समय के उत्सव का एक हिस्सा था। हालांकि, शेरिंग ने इस परंपरा के नकारात्मक पक्ष पर भी टिप्पणी की है।

गोंडा में पटाखा लाइसेंस के लिए रिश्वत लेते दो पुलिसकर्मी निलंबित

वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई, विभागीय जांच के आदेश

गोंडा, एजेंसी। यूपी के गोंडा जिले में पटाखा दुकान के लाइसेंस के मामले में पुलिसकर्मियों के द्वारा रिश्वत लेने का मामला सामने आया है। पटाखा लाइसेंस के सत्यापन के नाम पर रिश्वत लेने के मामले में एसपी अभिषेक झा ने बड़ी कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर रुपये लेते हुए वीडियो वायरल होने के बाद, नगर कोतवाली में तैनात सिपाही अजीत सिंह और सीओ सिटी कार्यालय में तैनात महिला आरक्षी सुमन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही, दोनों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, नगर कोतवाली में तैनात सिपाही अजीत सिंह का 5 नवंबर को दोपहर करीब दो बजे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह पटाखा लाइसेंस के सत्यापन के एवज में एक आवेदक से 1,000 रुपये लेते दिखाई दे रहे हैं।

इसी तरह, सीओ सिटी कार्यालय में तैनात महिला आरक्षी सुमन का भी एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह एक व्यक्ति से 1,000 रुपये काउंटर की दराज में रखने के लिए कहती सुनाई दे रही हैं। यह वीडियो भी 5 नवंबर की दोपहर का बताया जा रहा है।



दोनों वीडियो का संज्ञान लेते हुए एसपी अभिषेक झा ने अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) अजीत कुमार रजक को मामले की जांच सौंपी थी। एएसपी पूर्वी की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद एसपी ने दोनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया और विभागीय जांच के निर्देश दिए।

पान की दुकान लगाने के नाम पर 40 हजार की रंगदारी मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

गोंडा जिले के इटियाथोक स्थित पारासराय में पान की दुकान लगाने के एवज में 40 हजार रुपये की रंगदारी मांगने और दुकानदार से मारपीट कर 10 हजार रुपये छीनने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान बेन्दुली निवासी आनंद तिवारी के रूप में हुई है। पुलिस उसके दूसरे साथी की तलाश कर रही है।

बलरामपुर जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र के पूरब टोला पूर्वी निवासी संजीव सेन पारासराय में पान की दुकान चलाते हैं। पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, शुक्रवार को आनंद तिवारी एक अज्ञात व्यक्ति के साथ बाइक पर सवार होकर उनकी दुकान पर पहुंचा था। आरोप है कि दोनों ने दुकान लगाने के एवज में 40 हजार रुपये की रंगदारी मांगी। विरोध करने पर उन्होंने गाली-गलौज और मारपीट की। इसके बाद दुकानदार को जबरन बाइक पर बैठाकर खरगूपुर रोड ले गए और वहां उससे 10 हजार रुपये छीन लिए। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए खरगूपुर की तरफ फरार हो गए।

थानाध्यक्ष गौरव सिंह तोमर ने बताया कि रविवार को आरोपी आनंद तिवारी को करूवापारा के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है। तलाशी के दौरान उसके पास से 3,000 रुपये बरामद हुए हैं, जबकि उसके दूसरे साथी की तलाश जारी है।

ब्रीफ न्यूज

युवक की मौत के मामले में चचेरे भाईयों के खिलाफ प्रकरण दर्ज

भोपाल। शहर के तलैया थाने में 1 नंवबर, शुक्रवार-शनिवार की रात झगड़े की शिकायत लेकर थाने पहुंचे युवक की हार्ट अटैक मौत के मामले में पुलिस ने पीएम रिपोर्ट और मर्ग जांच के आधार पर उससे झगड़ा करने वाले दो चचेरे भाइयों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज किया है। इस्लामपुरा निवासी माजिद कुरैशी उर्फ कालू (33) झगड़े की शिकायत लेकर तलैया थाने पहुंचे थे। इसी दौरान थाने में उनकी तबीयत बिगड़ गई। पुलिसकर्मी उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। 6-7 नवंबर की रात मृतक के परिजनों ने तलैया थाने पहुंचकर कार्यवाही न होने पर हंगामा किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह हार्ट अटैक सामने आई। इसके बाद मर्ग जांच के आधार पर पुलिस ने दो चचेरे भाइयों आदिल कुरैशी और आरिस कुरैशी के खिलाफ मामला दर्ज किया हैं। पुलिस का कहना है कि मृतक माजिद कुरैशी को इससे पहले भी अटैक आ चुका था। आरोपी जानते थे कि वह हार्ट का मरीज है। इसके बाद भी उसके साथ मारपीट की गई।

आईटी पार्क गांधी नगर में मिली अस्पताल के कर्मचारी की लाश

भोपाल। आईटी पार्क गांधी नगर स्थित महावीर अस्पताल के कर्मचारी की लाश अस्पताल से कुछ दूरी पर पुलिया के नीचे पड़ी मिली है। उसके सिर पर चोट के गंभीर निशान है। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने नशे की हालत में पुलिया से नीचे गिरने के कारण मौत होने की आशंका जताई है। बताया गया है की मतृक शराब पीने का आदी था। अनुमान है कि नशे की हालत में वह पुलिया से नीचे गिरा है। मूलरूप से दमोह निवासी पंकज जाटव पुत्र मुन्नालाल जाटव (31) यहां आईटी पार्क स्थित महावीर अस्पताल में केयरटेकर का काम करता था। वहां अस्पताल परिसर में ही अकेला रहता था। 5 नवंबर की रात में अस्पताल से कहीं जाने के लिए निकला था। उसके बाद वापस नहीं लौटा। अगले दिन 6 नवंबर की शाम को उसकी लाश अस्पताल से कुछ दूरी पर सड़क पर बनी करीब 6 फिट गहरी पुलिया के नीचे पड़ी मिली वहॉ नीचे पत्थर पड़े हैं। पुलिस का कहना है, कि पंकज जाटव के सिर पर चोट के गहरे निशान है, जो संभवत नीचे पड़े पत्थरों पर सिर के बाल से आए होंगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

पुलिस हिरासत से भागे संदेही के मामले की जांच के आदेश

भोपाल। चोरी के लाखों रुपये के माल की बरामदगी के लिए घर ले जाते समय पुलिस हिरासत से संदेही बदमाश के फरार होने के मामले में डीसीपी ने ड्यूटी पर तैनात चारों पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि सुरक्षा में चूक कैसे हुई और हिरासत में मौजूद आरोपित पुलिस को चकमा देकर कैसे फरार हो गया। मामला कोलार थाना क्षेत्र में दर्ज चोरी के प्रकरण से जुड़ा है। संदेही कृष्णा गिरी उर्फ छित्तर को एसआई शिवेंद्र पाठक, एसआई कमल सिंह, प्रधान आरक्षक दौलतराम और आरक्षक रवि पाल कटारा हिल्स स्थित उसके घर ले जा रहे थे। इसी दौरान वह पुलिस टीम को चकमा देकर भाग निकला।

दिवाली के पटाखों ने भोपाल की हवा में घोला जहर

वेब वार्ता, भोपाल

दिवाली के बाद भोपाल की हवा पर प्रदूषण का असर साफ दिखाई दे रहा है। टीटी नगर में एक्यूआई 355 तक पहुंच गया, जो पिछले साल से 42 अंक ज्यादा है। पर्यावरण परिसर में भी पिछले साल के मुकाबले 37 अंक की बढ़ोतरी हुई। पीएम 2.5 के बढ़े स्तर ने सांस संबंधी परेशानी का खतरा बढ़ा दिया है। दीपावली पर आतिशबाजी का शोर थमने के बाद अब राजधानी की हवा में प्रदूषण का असर दिखाई देने लगा है। दिवाली के दूसरे दिन भी भोपाल के लोगों को साफ हवा नसीब नहीं हुई। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) के आंकड़ों में शहर के टीटी नगर निगरानी केंद्र का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 355 दर्ज किया गया। यह बहुत खराब श्रेणी में है। पर्यावरण परिसर में भी एक्यूआई 296 तक पहुंच गया, जबकि कलेक्ट्रेट क्षेत्र में यह 301 दर्ज हुआ। यानी शहर के तीनों



■ टीटी नगर का एक्यूआई 355 तक पहुंचा

निगरानी केंद्रों पर हवा की गुणवत्ता चिंताजनक रही। सबसे ज्यादा प्रदूषण टीटी नगर में दर्ज किया गया। बोर्ड के 8 नवंबर सुबह 5 बजे से 9 नवंबर सुबह 5 बजे तक के 24 घंटे के औसत आंकड़े बताते हैं कि दिवाली के बाद प्रदूषण का स्तर बढ़ा है। खास बात यह है कि पिछले साल की तुलना में इस बार टीटी नगर और पर्यावरण परिसर में एक्यूआई ज्यादा रहा।

टीटी नगर में पिछले साल से 42 अंक ज्यादा प्रदूषण

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तुलनात्मक आंकड़ों में इस बार टीटी नगर की स्थिति सबसे ज्यादा खराब दिखाई दी। पिछले साल दिवाली के अगले दिन यहां एक्यूआई 313 था, जो इस बार बढ़कर 355 हो गया। पर्यावरण परिसर में पिछले साल 259 के मुकाबले इस बार 296 दर्ज किया गया। वहीं कलेक्ट्रेट क्षेत्र में पिछले साल 304 के मुकाबले इस बार 301 रहा। यानी शहर के अलग-अलग इलाकों में प्रदूषण का स्तर अलग-अलग रहा, लेकिन दो प्रमुख निगरानी केंद्रों पर पिछले साल से ज्यादा प्रदूषण दर्ज हुआ।

पीएम 2.5 के महीन कणों ने बढ़ाई सांसों की परेशानी

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों में पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक के रूप में सामने आया है। टीटी नगर में पीएम 2.5 का 24 घंटे का औसत 191.41 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। पर्यावरण परिसर में यह 118.89 और कलेक्ट्रेट क्षेत्र में 121.09 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। पीएम 2.5 के कण इतने छोटे होते हैं कि सांस के साथ फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं। पटाखों से निकलने वाला धुआं और सूक्ष्म कण हवा में प्रदूषण बढ़ाते हैं। इसके संपर्क में आने से आखों में जलन, खांसी, गले में खराश और सांस लेने में परेशानी हो सकती है। अस्थमा, हृदय रोग से पीड़ित लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

पर्यावरण परिसर का स्तर भी खराब श्रेणी के ऊपरी छोर पर

एक्यूआई 201 से 300 के बीच होने पर हवा खराब श्रेणी में मानी जाती है। 301 से 400 के बीच यह बहुत खराब श्रेणी में पहुंच जाती है। ऐसे स्तर पर लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से सांस संबंधी परेशानी बढ़ सकती है। भोपाल के टीटी नगर और कलेक्ट्रेट क्षेत्र का एक्यूआई 300 के पार पहुंचना इसी श्रेणी में आता है। पर्यावरण परिसर का स्तर भी खराब श्रेणी के ऊपरी छोर पर है।

निगम आयुक्त ने साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए दिए निर्देश

पटाखों का कचरा सामान्य कचरे से अलग ही एकत्र करें

■ सड़कों की सफाई से पूर्व छिड़काव की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए

वेब वार्ता, भोपाल

निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार द्वारा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के दृष्टिगत नियमित रूप से नगर भ्रमण कर साफ-सफाई व्यवस्था सहित अन्य नागरिक सुविधाओं का अवलोकन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में निगम आयुक्त अहिरवार ने सोमवार को सुबह न्यू मार्केट, एमपी नगर, आनन्द नगर आदि के बाजार क्षेत्रों सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया और सफाई मित्रों द्वारा की गई साफ-सफाई की सराहना करते हुए निगम अमले सहित अन्य नागरिकों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के दृष्टिगत पटाखों आदि के कचरे को सामान्य कचरे से अलग एकत्र करने के निर्देश दिए साथ ही सड़कों की सफाई के दौरान धूल-मिट्टी को उड़ने से रोकने के दृष्टिगत सफाई कार्य से पूर्व पानी का छिड़काव भी करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने इस दौरान अनेक स्थानों पर सफाई मित्रों से संवाद किया और आनन्द नगर क्षेत्र में चाय पर चर्चा भी की। इस अवसर पर उपायुक्त चंचलेश गिरहारे सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। निगम आयुक्त अहिरवार ने न्यू मार्केट में की गई साफ-सफाई पर असंतोष व्यक्त किया और निर्देशित किया कि दुकानदारों को कचरा, पन्नी व अन्य प्रकार की वस्तुएं डस्टबिन में ही रखने और कचरा वाहन को ही कचरा देने की समझाइश दी जाए। समझाइश के उपरांत भी कचरा सड़कों, सार्वजनिक स्थलों पर फैलाने वालों के विरूद्ध सख्ती से स्पॉट फाईन की कार्यवाही भी की जाए।



साफ-सफाई व्यवस्था को तत्परता से सुनिश्चित करें

निगम आयुक्त अहिरवार ने आनन्द नगर क्षेत्र के बाजारों व अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण किया और साफ-सफाई एवं पानी के छिड़काव के कार्य का अवलोकन किया। निगम आयुक्त अहिरवार ने सभी क्षेत्रों की साफ-सफाई व्यवस्था एवं कचरा प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने सफाई मित्रों के साथ चाय पर चर्चा कर सफाई मित्रों का उत्साहवर्धन किया और उनकी दिनचर्या व कार्य आदि के संबंध में भी विस्तारपूर्वक चर्चा की और शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक तत्परता से सुनिश्चित करने का आह्वान भी किया।

तस्करों के नेटवर्क और सप्लाई लेने वाले की तलाश

भोपाल स्टेशन पर विदेशी महिला से 500 ग्राम कोकीन जब्त

■ जीटी एक्सप्रेस के सेकंड एसी कोच में सफर कर रही थी

वेब वार्ता, भोपाल

भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर जीआरपी, आरपीएफ और डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की संयुक्त टीम ने एक विदेशी महिला को 500 ग्राम कोकीन के साथ गिरफ्तार किया है। महिला GT एक्सप्रेस के सेकंड एसी कोच में सफर कर रही थी। डीआरआई से मिले इनपुट के बाद टीम ने ट्रेन में तलाशी ली और महिला को पकड़ लिया। गुरुवार रात करीब 7:45 बजे हुई इस कार्रवाई के बाद महिला को आगे की जांच और कार्रवाई के लिए डीआरआई के हवाले कर दिया गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, महिला चेन्नई से दिल्ली के बीच ट्रेन से सफर कर रही थी। तलाशी के दौरान उसके पास से 500 ग्राम कोकीन बरामद हुई। इसके बाद टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। डीआरआई की टीम महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर रही है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि महिला के पास कोकीन कहां से आई और दिल्ली में इसकी सप्लाई किसे की जानी थी। साथ ही तस्करी के पीछे सक्रिय नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।



कार्रवाई के लिए डीआरआई के हवाले

एम्स भोपाल में राष्ट्रीय स्तर की एफएआईसीओ कॉर्निया स्टेप-2 की परीक्षा, जटिलता होगी दूर

वेब वार्ता, भोपाल

अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान महाविद्यालय की कॉर्निया विषय की स्टेप-2 फेलोशिप परीक्षा का सफल आयोजन एम्स भोपाल के नेत्र रोग विभाग में किया गया। परीक्षा में देश के विभिन्न हिस्सों से आए 20 चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। इसका आयोजन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) नरेंद्र कोतवाल (रिटायर्ड) के मार्गदर्शन में हुआ। एम्स भोपाल के नेत्र रोग विभाग को अपनी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, बेहतर बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक गतिविधियों के आधार पर परीक्षा केंद्र चुना गया।

विभाग में कॉर्निया संबंधी बीमारियों की जांच, परामर्श और ऑपरेशन सहित आंखों के उपचार की व्यापक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके साथ ही यहां स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों को प्रशिक्षण भी दिया जाता है। एफएआईसीओ फेलोशिप परीक्षा दो चरणों में आयोजित होती है। पहले चरण की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले चिकित्सक ही दूसरे चरण की प्रायोगिक परीक्षा में शामिल होते हैं। स्टेप-2 में उम्मीदवारों के क्लिनिकल ज्ञान, ऑपरेशन कौशल और कॉर्निया की जटिल बीमारियों के उपचार की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। परीक्षा विशेषज्ञों के पैनल द्वारा ली गई। इसमें एम्स भोपाल की नेत्र रोग विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) भावना शर्मा, एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ फैकल्टी डॉ. सुजाता दास, पी जी आई एमई आर चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. चिंतन मल्होत्रा और परीक्षक डॉ. तुलिका शामिल रहीं। नेत्र चिकित्सा सेवाओं के विकास, विशेषज्ञ चिकित्सकों के प्रशिक्षण और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।



20 चिकित्सकों ने लिया हिस्सा

महिला से किराए पर कार लेकर हो गया चंपत, एफआईआर दर्ज

वेब वार्ता, भोपाल

शाहपुरा पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर उसके परिचत के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि उसने किराये पर चलाने के नाम पर कार ली और बिना बताये ही राज्य ले जाकर उसका जीपीएस ट्रैकर बंद कर दिया। इसके बाद ढाई महीने तक वह पीड़ित कार मालिक महिला को वाहन लौटाने के नाम पर बहानेबाजी कर टाल मटोल करता रहा। तंग आकर महिलना ने पुलिस से शिकायत की जिसकी जांच के बाद आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की गई है। त्रिलंगा स्थित कृष्णा आकृति इंक्लेव निवासी भारती पंडित (56) ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की कुछ महीने पहले उन्होनें एक कार खरीदी थी। रेंटल एजेंसी के जरिए उनकी पहचान आरोपी सौरभ तिवारी नामक व्यक्ति से हुई थी। वह कभी-कभी कार किराये पर ले जाता था। महिला का कहना है की उनके बीच किये गये एग्रीमेंट में तय हुआ था कि वाहन भोपाल में ही रहेगा।10 अगस्त की रात करीब एक बजे सौरभ कार की चाबी लेकर चला गया और तीन-चार दिन में लौटाने की बात कही थी। बाद में जब उन्होनें कार का जीपीएस चैक किया तब कार की लोकेशन भोपाल से बाहर मिली। पूछताछ करने पर सौरभ ने पहले कार जबलपुर में होने की बात कही, फिर लोकेशन कर्नाटक के बेलगावी में मिली। इसके बाद ट्रैकर बंद हो गया। सौरभ ने ट्रैकर खराब होने का बहाना बनाकर उन्हें समीर शेखावत का नंबर दिया। जब महिला ने समीर से बात की जब उसने कार अपने पास होने की बात कही, लेकिन वीडियो कॉल पर दिखाने पर आनाकानी करने लगा। सौरभ ने सिर्फ 10 हजार किराया भेजा, लेकिन कार नहीं लौटाई।

कर्नाटक में किया जीपीएस ट्रैकर बंद

मप्र में ठगों के जाल से बचे 100 करोड़

पीड़ितों को वापस मिलेगी राशि

भोपाल। साइबर अपराधों के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता के अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। इससे प्रदेश में इस वर्ष साइबर ठगी की रकम में कमी आने के संकेत हैं। इस वर्ष ठगों ने प्रदेश के लोगों को 308 करोड़ रुपए की चपत लगाई है। लेकिन पुलिस और बैंकों के समन्वय से करीब 100 करोड़ रुपए होल्ड कराने में सफलता मिली है, यानी ठगी की कुल राशि का लगभग 32 प्रतिशत हिस्सा समय रहते रोक लिया गया, जो निर्धारित प्रक्रिया के बाद पीड़ितों को मिल सकेगा। पिछले वर्ष की तुलना में यह अनुपात भी बेहतर हुआ है। जागरूकता बढ़ने के साथ लोग अब ठगी का शिकार होने पर तत्काल शिकायत कर रहे हैं। पहले कई मामलों में पीड़ित जानकारी जुटाने या बैंक से संपर्क करने में ही काफी समय लगा देते थे। अब इसमें सुधार आया है। जागरूकता के लिए पुलिस मुख्यालय ने बीते दो वर्ष में दो बार सेफ क्लिक अभियान चलाया।

विधायक विश्रामगृह में युवक-युवती के आपत्तिजनक हालत में पकड़ाने का मामला

आउटसोर्स कर्मचारी बर्खास्त और केयरटेकर को थमाया नोटिस

वेब वार्ता, भोपाल

विधायक विश्रामगृह में के खंड तीन के कमरे में महिदपुर के कांग्रेस विधायक दिनेश जैन ने कमरे से महिला और पुरुष पुलिसकर्मी के आपत्तिनजक हालत में नजर आने के मामले को लेकर विधानसभा के प्रमुख सचिव से शिकायत कर जांच कराने की मांग की थी।

जानकारी के मुताबिक विधायक जैन 2 नवंबर को दिल्ली से भोपाल लौटकर दोपहर करीब 3 बजे खंड-3 स्थित अपने आवंटित कक्ष क्रमांक 13 और 14 में पहुंचे थे। जैसे ही दरवाजा खुला, कमरे के भीतर का नजारा देखकर वे हैरान रह गए। पकड़े जाने पर दोनों हाथ-पैर जोड़कर माफी मांगने लगे और मौका पाकर वहां से भाग निकले। दोनो पुलिस की वर्दी पहने थे। इस मामले में लोक निर्माण विभाग ने पुलिसवालों को गैरकानूनी तरीके से चाबी उपलब्ध कराने वाले आउटसोर्स कर्मचारी राजकुमार को बर्खास्त करते हुए केयरटेकर अरविंद शर्मा को कारण बताओ नोटिस थमाया गया है।



अधिकारियों ने सुरक्षा बढ़ाने के दिए निर्देश

जानकारी के अनुसार मामले में विधायक विश्राम गृह की जिम्मेदारी देख रहे ईई अमित गजभिए के जांच प्रतिवेदन के आधार पर लोनिवि के आउटसोर्स कर्मचारी राजकुमार को बर्खास्त कर दिया है, और केयरटेकर अरविंद शर्मा को कारण बताओ नोटिस थमाया गया है। वहीं अधिकारियों ने यहां सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिये गये है। यह निर्देश भी दिए गए है कि अब चाबियां लोनिव कर्मचारी अपने पास नहीं रखेंगे।

प्रक्रिया | नगर निगम की 11 सेवाएं ऑनलाइन, टेस्टिंग में अटकी व्यवस्था

आवेदन ऑनलाइन, शुल्क जमा करने की पुरानी प्रक्रिया बरकरार

वेब वार्ता, भोपाल

नगर निगम की सेवाओं को घर बैठे उपलब्ध कराने की पहल तो शुरू हो गई है, लेकिन नागरिकों को अभी पूरी तरह ऑनलाइन व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पाएगा। ई-नगर पालिका 2.0 पोर्टल पर 11 सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा शुरू की गई है, मगर फिलहाल शुल्क जमा करने के लिए पुरानी प्रक्रिया ही अपनानी होगी। यानी आवेदन के लिए कार्यालय के चक्कर कम होने की उम्मीद है, लेकिन भुगतान के लिए लोगों को अभी मौजूदा व्यवस्था पर निर्भर रहना पड़ेगा। नगर निगम ने गार्डन, ऑडिटोरियम और सार्वजनिक मनोरंजन स्थलों की बुकिंग से लेकर रोड कटिंग की अनुमति तक कई सेवाओं को पोर्टल से जोड़ दिया है। इसके अलावा पानी के टैंकर, सेप्टिक टैंक और सीवरेज की सफाई, कचरा-मलबा उठवाने, अग्निशमन सेवा और शव वाहन के लिए भी ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। पेड़ काटने और परिवहन की अनुमति, मोबाइल टॉयलेट तथा फिल्मों की शूटिंग की अनुमति जैसी सेवाएं भी इस व्यवस्था में शामिल हैं।



आवेदन ऑनलाइन, भुगतान की सुविधा का इंतजार

नई व्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों को आवेदन जमा करने के लिए नगर निगम कार्यालयों तक पहुंचने की परेशानी से राहत देना है। हालांकि, अभी सभी सुविधाएं टेस्टिंग फेज में हैं। इस दौरान पोर्टल पर आवेदन तो किया जा सकेगा, लेकिन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन नहीं होगा। आवेदकों को इसके लिए मौजूदा प्रक्रिया का पालन करना पड़ेगा।

बुकिंग से अनुमति तक बदलेगा आवेदन का तरीका

नगर निगम के गार्डन, ऑडिटोरियम और सार्वजनिक मनोरंजन स्थलों की बुकिंग के लिए अब संबंधित कार्यालय में जाकर आवेदन जमा करना जरूरी नहीं होगा। इसी तरह सड़क की खुदाई के लिए रोड कटिंग की अनुमति और पेड़ काटने से संबंधित आवेदन भी पोर्टल के माध्यम से किए जा सकेंगे। घरेलू और अन्य जरूरतों के लिए पानी का टैंकर बुलाने, सेप्टिक टैंक या सीवरेज की सफाई कराने तथा कचरा और मलबा उठवाने के लिए भी ऑनलाइन आवेदन की सुविधा मिलेगी। नागरिकों को आवेदन जमा करने में लगने वाला समय बचने और प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक होने की उम्मीद है।

अब टेस्टिंग की चुनौती

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, इन 11 सेवाओं को ई-नगर पालिका 2.0 पोर्टल पर उपलब्ध कराने वाला भोपाल प्रदेश का पहला नगरीय निकाय बन गया है। इन सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा शुरू की गई है। अभी इनका परीक्षण चल रहा है। नई व्यवस्था की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि पोर्टल पर आवेदन करने के बाद नागरिकों को अनुमति और सेवा कितनी आसानी से मिलती है। यदि आवेदन, शुल्क भुगतान और स्वीकृति की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाती है, तो लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने से काफी हद तक राहत मिल सकती है।

घूमने के बाद गांव लौट रहे युवक की डंपर की टक्कर से मौत

वेब वार्ता, भोपाल

भोपाल घूमने आये 18 वर्षीय युवक की वापस गांव लौटते समय घटना गुनगा थाना क्षेत्र में गोलकखेड़ी के पास डंपर की टक्कर से मौत हो गई। बताया गया है की उसकी बाइक को सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी थी। हादसे के समय बाइक पर सवार मृतक युवक का रिश्तेदार भी घायल हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक पीपलखेड़ा, गुनगा का रहने वाला विपिन अहिरवार (18) पिता कालूराम अहिरवार मेहन-मजदूरी का काम करता था। शनिवार शाम को वह अपने रिश्ते के भाई शेर के साथ बाइक से भोपाल घूमने आया था। दोनों ने शॉपिंग की और रात को भोपाल में ही रुक गए, रविवार सुबह दोनों बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान गोलखेड़ी के पास सामने से आ रहे डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। भीषण टक्कर में विपिन को जानलेवा चोटें आई थी, वहीं उसका रिश्तेदार भी घायल हो गया। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने मौके दोनों को इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने शुरुआती चेकअप के बाद ही विपिन को मृत घोषित कर दिया।

मृतक युवक का रिश्तेदार भी घायल

संक्षिप्त समाचार

कर्मचारियों को मिल सकता है 5.15 लाख तक का एरियर

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब एक करोड़ से अधिक



केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों का बेसब्री से इंतजार है। अगर 7वें वेतन आयोग वाला फिटमेंट फैक्टर भी लागू होता है तो भी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले होगी। यही नहीं, अगर सरकार संशोधित पे मैट्रिक्स को 1 जनवरी 2026 से लागू करती है, तो कर्मचारियों को 12 महीने का एरियर मिल सकता है। एक गणना के मुताबिक, लेवल-6 के कर्मचारी को करीब 5.15 लाख रुपये तक का एरियर मिल सकता है। हालांकि, यह रकम फिटमेंट फैक्टर और सरकार के अंतिम फैसले पर निर्भर करेगी। 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो गया था। ऐसे में अगर 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होती हैं, तो कर्मचारियों को पिछले महीनों का एरियर मिल सकता है। इसे एक उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए कोई केंद्रीय कर्मचारी पे मैट्रिक्स के लेवल-6 में है और उसका मौजूदा बेसिक सैलरी 44,900 रुपये है। अगर 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 रखा जाता है, तो उसका नया मूल वेतन इस प्रकार होगा। एरियर के कैलकुलेशन में महंगाई भत्ते को भी शामिल करना जरूरी है। उदाहरण के लिए, जनवरी से जून 2026 तक 60 फीसदी डीए और जुलाई से दिसंबर तक 63 प्रतिशत डीए मानकर गणना की गई है। इस आधार पर कर्मचारी का मौजूदा मूल वेतन और डीए मिलाकर पहले छह महीने में करीब 71,840 रुपये और अगले छह महीने में करीब 73,187 रुपये बनते हैं। वहीं, प्रस्तावित नए मूल वेतन 1,15,400 रुपये और मौजूदा वेतन व डीए के बीच अंतर के आधार पर गणना इस प्रकार है। यह गणना केवल एक उदाहरण है। इसमें 2.57 फिटमेंट फैक्टर मानकर चलने के साथ यह भी माना गया है कि मौजूदा डीए नए मूल वेतन में समाहित हो जाएगा और नया डीए शून्य से शुरू होगा। फिलहाल 8वें वेतन आयोग की अंतिम सिफारिशें सामने नहीं आई हैं। फिटमेंट फैक्टर कितना होगा और नया वेतन मैट्रिक्स किस आधार पर तैयार होगा, इस पर भी अंतिम फैसला होना बाकी है। इसलिए 5.15 लाख रुपये के एरियर का आंकड़ा केवल अनुमानित गणना है, इसे पक्का भुगतान नहीं माना जा सकता। कर्मचारियों को वास्तविक वेतन वृद्धि और एरियर का पता आयोग की सिफारिशें आने और सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही चलेगा।

2026 में 81 प्रतिशत का रिटर्न, 52 वीक हाई पर स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवीज़ लैबोरेटरीज़ के शेयरों की कीमतों में आज फिर से तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का दाम आज 6 प्रतिशत से अधिक बढ़ा गया है। जिसके बाद स्टॉक 52 वीक हाई पर पहुंच गया। बता दें, कल रविवार को भी कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली थी। तब कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई थी। रविवार को मुहूर्त सेशन के शेयर बाजार खुला था। आज बीएसई में कंपनी का शेयर 11105 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ बीएसई में 11818 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 5648 रुपये है। बता दें, कंपनी का मार्केट कैप 3.05 लाख करोड़ रुपये का है। इस कंपनी के लिए दूसरी तिमाही काफी शानदार साबित हुई है। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 64 प्रतिशत बढ़ गया है। सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 1127 करोड़ रुपये रहा है। जुलाई से सितंबर के दौरान कंपनी का रेवन्यू 3676 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी की आय में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ब्रोकरेज हाउस नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटी, गोल्डमैन स्कैस और जेपी मॉर्गन कंपनी के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर बुलिश है। वहीं, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड न्यूट्रल रेटिंग दे रहा है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटी ने स्टॉक के लिए रेटिंग दी है। इस ब्रोकरेज ने टारगेट प्राइस को 9600 रुपये से बढ़ाकर 12000 रुपये कर दिया है। बीते 6 महीने के दौरान स्टॉक की कीमतों में 71 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 2026 में स्टॉक का दाम 81 प्रतिशत बढ़ा है।

सोना 1400 उछला, चांदी के भाव 4000 से अधिक चढ़े

दिवाली-धनतेरस के बाद भी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। धनतेरस बीत गया। दिवाली भी बीत गई, लेकिन सोने-चांदी के दाम तेजी और बढ़ती जा रही है। मुंबई स्थित एमसीएक्स पर आज सुबह दिसंबर 2026 की डिलीवरी के लिए एमसीएक्स सिल्वर फ्यूचर 4,000 रुपये बढ़कर 1,88,979 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। दिसंबर 2026 की डिलीवरी के लिए सोना वायदा 1,400 रुपये बढ़कर 1,43,933 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया।

बता दें एमसीएक्स पर भाव पल-पल बदलता रहता है। जबकि, सर्राफा बाजारों में दोपहर और शाम को तय होते हैं। यहां सोने-चांदी के दाम एमसीएक्स से अलग होते हैं। उनपर जीएसटी, लोकल टैक्स और ज्वेलरी मेंकिंग चार्ज भी जुड़े होते हैं।

अगर इस साल की बात करें तो एमसीएक्स पर 29 जनवरी को सोना 1,93,096 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर था और तब से लेकर आज की डेट तक करीब 50 हजार रुपये से अधिक सस्ता हो चुका है। वहीं, एमसीएक्स सिल्वर का भाव ऑल टाइम हाई 4,20,048 रुपये है और यह 231000 रुपये से अधिक गिर चुका है।

इंटरनेशनल स्तर पर भी सोने की कीमतों में सोमवार को 1.6 प्रतिशत से ज्यादा की उछाल दर्ज की जा रही है। आज न्यूयॉर्क में गोल्ड करीब 4,129 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। पिछले



हफ्ते इसमें 5 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई थी। बता दें अंतर्राष्ट्रीय सोने की कीमतें 29 जनवरी 2026 को 5,379 प्रति औंस के रिकॉर्ड क्लोजिंग लेवल से गिरकर 4,129 पर आने में लगभग 23 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। दूसरी ओर इस बीच, चांदी 2.8 फीसदी उछलकर 53.31 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

रायटर्स के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने को लेकर जारी बातचीत के बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से सोने-चांदी को सहारा मिला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान पर आगे और हमले करने की संभावना बेहद कम है। उनके इस बयान से तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका कम हुई है। तेल की कीमतों में गिरावट से महंगाई का दबाव कम होने की उम्मीद बढ़ी है। इससे ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बने रहने की आशंका भी कमजोर हुई है। इसका फायदा सोने जैसी उन संपत्तियों को मिलता है, जिनसे निवेशकों को ब्याज नहीं मिलता।

केसीएम ट्रेड के मुख्य बाजार विश्लेषक टिम वाटरर के मुताबिक, ईरान को लेकर ट्रंप के नरम रुख से कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। इससे महंगाई की चिंता कम हुई है। वहीं, डॉलर में कमजोरी ने भी सोने को सपोर्ट किया है। डॉलर कमजोर होने से दूसरे देशों के खरीदारों के लिए सोना सस्ता हो जाता है।

हालांकि, अमेरिका में रोजगार के मजबूत आंकड़ों ने सोने की तेजी पर कुछ दबाव बनाया है। अक्टूबर में रोजगार वृद्धि तेज हुई और बेरोजगारी दर घटकर 4.1 फीसदी पर आ गई। इससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से दिसंबर में ब्याज दरें बढ़ाने की उम्मीद मजबूत हुई है। सीएमई के फेडवॉच टूल के मुताबिक, दिसंबर में ब्याज दरें बढ़ने की संभावना रोजगार आंकड़ों से पहले 71 फीसदी थी, जो अब बढ़कर 79 फीसदी हो गई है।

अब आगे क्या होगा

अब बाजार की नजर अमेरिका के महंगाई के आंकड़ों पर है। मंगलवार को कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स और शुक्रवार को प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स के आंकड़े जारी होंगे। महंगाई के आंकड़े उम्मीद से ज्यादा रहने पर डॉलर मजबूत हो सकता है और सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

डिविडेंड देने जा रही कंपनी का शेयर 7 प्रतिशत चढ़ा, 52 वीक हाई पर भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्स-डिविडेंड डेट से पहले पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 7 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। जिसके बाद कंपनी के शेयर 52 वीक हाई पर पहुंच गए। बीएसई में कंपनी के शेयर आज 1323.35 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 7 प्रतिशत की तेजी के साथ 1413.50 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। यह बीएसई मे कंपनी के स्टॉक का नया 52 वीक हाई है। बता दें, स्टॉक के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट्स बुलिश हैं। 2026 में कंपनी ने निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। कंपनी के शेयर सितंबर के महीने में एक्स-बोनस ट्रेड किया था। तब हर एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया था। अब इसी सप्ताह स्टॉक एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने जा रहा है। कंपनी ने एक शेयर पर 5 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। बता दें, कंपनी ने डिविडेंड के लिए 13 नवंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल ने अपनी रिपोर्ट में टैग दिया है। ब्रोकरेज ने इस स्टॉक के लिए 1550 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल ने अपनी रिपोर्ट में स्टॉक की वित्तीय स्थिति को मजबूत बताया है। दूसरी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट सालाना आधार पर 37.36 प्रतिशत बढ़ा है। इस बार शुद्ध लाभ 125.78 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 73.31 करोड़ रुपये रहा था। नेट रेवन्यू दूसरे क्वार्टर के दौरान 180153 करोड़ रुपये रहा है। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 67 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल में स्टॉक का दाम 97 प्रतिशत बढ़ा है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 2.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। दो साल में स्टॉक का दाम 158 प्रतिशत और तीन साल में 317 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

चीन का अमेरिका को बड़ा संदेश! 24 प्रतिशत टैरिफ पर रोक जारी, लेकिन रहेगा 10 प्रतिशत शुल्क

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों में एक नया घटनाक्रम सामने आया है। चीन ने अमेरिकी सामान पर लगाए जाने वाले 24 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ के निलंबन को दो महीने के लिए आगे बढ़ाने का फैसला किया है।हालांकि, अमेरिका से आने वाले सामान पर लगने वाला मौजूदा 10 प्रतिशत टैरिफ जारी रहेगा। चीन के वित्त मंत्रालय की ओर से इस फैसले की घोषणा की गई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते और टैरिफ को लेकर बातचीत लगातार अहम बनी हुई है। चीन ने पहले अमेरिकी उत्पादों पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। लेकिन, बाद में दोनों देशों के बीच बनी सहमति के तहत इस अतिरिक्त शुल्क को लागू करने पर रोक लगा दी गई। अब चीन ने इस रोक को 10 नवंबर से अगले दो महीने के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि फिलहाल अमेरिकी सामान को 24 प्रतिशत के अतिरिक्त टैरिफ से राहत मिलती रहेगी। हालांकि, चीन ने यह साफ किया है कि अमेरिकी आयात पर पहले से लागू 10 प्रतिशत शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस टैरिफ व्यवस्था की पृष्ठभूमि पिछले साल हुई अमेरिका-चीन वार्ता से जुड़ी है। नवंबर 2025 में चीन ने अमेरिकी सामान पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत टैरिफ को एक साल के लिए निलंबित करने की घोषणा की थी। यह फैसला अक्टूबर 2025 के अंत में दक्षिण कोरिया में हुई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक के बाद बनी सहमति से जुड़ा था। उस समय दोनों देशों ने व्यापारिक तनाव को कम करने और टैरिफ व्यवस्था में कुछ राहत देने की दिशा में कदम उठाया था। चीन ने अतिरिक्त 24 प्रतिशत शुल्क को फिलहाल रोकने का फैसला किया है, लेकिन मौजूदा 10 प्रतिशत टैरिफ को जारी रखा है, यानी अमेरिकी सामान पर टैरिफ पूरी तरह खत्म नहीं किया गया है।

अमेरिका में ताबड़तोड़ दिवालिया हो रही ट्रांसपोर्ट कंपनियां, इस बार टूट सकता है 23 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। वहां होने वाली हर गतिविधि का बाकी दुनिया पर असर देखने को मिलता है। डीजल की रिकॉर्ड कीमत ने अमेरिका पर असर दिखाना शुरू कर दिया है। वहां की ट्रकिंग इंडस्ट्री यानी ट्रांसपोर्ट बिजनेस की हालत पतली हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल ट्रांसपोर्ट बिजनेस से जुड़ी 221 कंपनियां बैंकरप्सी के लिए आवेदन कर चुकी हैं। माना जा रहा है कि इसी तरह चलता रहा तो इस बार 23 साल का रिकॉर्ड टूट सकता है। अमेरिका में यह लगातार तीसरा साल है जब 220 से ज्यादा ट्रकिंग कंपनियां दिवालिया हुई हैं। इससे पहले 2021 और 2022 में 100 से कम ट्रकिंग कंपनियां दिवालिया हुई थीं जबकि 2023 में यह संख्या 200 के नीचे थी। ब्लूमबर्ग के एक सर्वे के मुताबिक देश की करीब 66 फीसदी छोटी ट्रकिंग कंपनियों का रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले इस बार फ्लैट रहा है या इसमें गिरावट आई है। इसमें वे कंपनियां शामिल हैं जिनके पास 20 या उससे कम ट्रक हैं। सर्वे के मुताबिक 40 फीसदी छोटी ट्रकिंग कंपनियां अगले छह महीनों में इंडस्ट्री को छोड़ने की तैयारी में हैं या अपने भविष्य को लेकर कुछ नहीं कह सकते हैं। अमेरिका में डीजल की कीमत में काफी तेजी आई है। साथ ही इंश्योरेंस प्रीमियम महंगा होने और हायर इंटरेस्ट रेट से छोटी ट्रकिंग कंपनियों की हालत खस्ता होती जा रही हैं। अमेरिका में साल 2001 में रिकॉर्ड ट्रांसपोर्ट कंपनियां दिवालिया हुई थीं। इनकी संख्या 300 से अधिक थी।

1 शेयर के हो जाएंगे 20 शेयर, दिग्गज कंपनी ने किए 2 बड़े ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटो कंपोनेंट्स और इक्विपमेंट इंडस्ट्री से जुड़ी दिग्गज कंपनी बॉश लिमिटेड ने दो बड़े ऐलान किए हैं। कंपनी ने अपने शेयर का बंटवारा करने के साथ ही बोनस शेयर देने की घोषणा की है। शेयर के बंटवारे और बोनस शेयर के बाद अभी बॉश का 1 शेयर रखने वाले शेयरधारकों के पास कंपनी के 20 शेयर हो जाएंगे। बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट के चलते ऐसा होगा। बॉश लिमिटेड के शेयर सोमवार 9 नवंबर 2026 को 3 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 49,100 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं।

दिग्गज कंपनी बॉश लिमिटेड ने 3:1 के रेशियो में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। वहीं, कंपनी ने 1:5 के रेशियो में शेयर बांटने (स्टॉक स्प्लिट) का ऐलान किया है। बॉश लिमिटेड ने अभी बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट की रिकॉर्ड डेट फिक्स नहीं की है। अगर किसी निवेशक के पास अभी बॉश लिमिटेड का 1 शेयर है तो 1:5 के रेशियो में स्टॉक स्प्लिट के बाद उसके पास शेयरों की संख्या बढ़कर 5 पहुंच जाएगी। वहीं, कंपनी 3:1 के रेशियो में बोनस शेयर दे रही है, ऐसे में निवेशक को 15 शेयर बोनस शेयर के रूप में मिलेंगे। इस तरह बॉश लिमिटेड का 1 शेयर रखने वाले निवेशक के पास टोटल 20 शेयर (15+5) हो जाएंगे। बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट के बाद यह फायदा मिलेगा। बॉश लिमिटेड अपने शेयरधारकों को पहले भी बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है। मनीकंट्रोल के डेटा के मुताबिक, कंपनी ने सितंबर 1973 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। कंपनी ने सितंबर 1976 में 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर बांटे। इसके बाद कंपनी ने



सितंबर 1982 में फिर 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। कंपनी ने सितंबर 1986 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिया। बॉश लिमिटेड स्टॉक स्प्लिट भी कर चुकी है। कंपनी ने जुलाई 2004 में अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा। कंपनी ने 100 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 10-10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा। बॉश लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 839.4 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले कंपनी का प्रॉफिट 18.6 पर्सेंट बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में बॉश लिमिटेड का मुनाफा 708 करोड़ रुपये था।

हरियाणा की निधि ने 5 लाख लगाकर 6 महीने में कमाए 2.5 लाख रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में चाय के साथ नमकीन और स्नैक्स खाने का शौक हर घर में है, लेकिन बाजार में मिलने वाले ज्यादातर विकल्प या तो अत्यधिक तले-भुने होते हैं या बेहद महंगे। हरियाणा की रहने वाली 29 वर्षीया निधि मित्तल ने इसी अंतर को समझा और एक नया बिजनेस आइडिया तैयार किया। अपनी पीएचडी की पढ़ाई बीच में छोड़कर उन्होंने पफ्ड नाम से एक हेल्दी और किफायती स्नैक ब्रांड खड़ा कर दिया। इसने ब्रांड ने 6 महीने में अच्छी कमाई कर ली है। कॉमर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद निधि ने साल 2019 में पीएचडी में दाखिला लिया और साथ में ट्यूशन भी पढ़ाती थीं। फरवरी 2023 में शादी के बाद जब उन्होंने घर के लिए राशन और स्नैक्स की खरीदारी शुरू की, तो महसूस किया कि बाजार में बच्चों और बुजुर्गों के लिए पौष्टिक और बजट-फ्रेंडली स्नैक्स की कमी है।

रिपोर्ट: मैटर्निटी लीव खत्म के बाद 25 प्रतिशत भारतीय महिलाएं छोड़ देती हैं नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में मां और पिता को मिलने वाली पैरेंटल लीव के बीच दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अंतर है। ग्लोबल हायरिंग और पेरोल प्लेटफॉर्म ष्ठद्गद्यद्य की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, मैटर्निटी लीव खत्म होने के छह महीने के भीतर 25 प्रतिशत भारतीय महिलाएं अपनी नौकरी छोड़ देती हैं। पुरुषों के मामले में यह आंकड़ा 20 प्रतिशत है। हालांकि, यह ग्लोबल रेशियो से कम है। दुनिया भर में 30 प्रतिशत महिलाएं और 23 प्रतिशत पुरुष छुट्टी के बाद छह महीने के भीतर नौकरी छोड़ देते हैं।

इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में मां औसतन 130 वर्किंग डेज यानी करीब 26 सप्ताह की छुट्टी लेती हैं, जबकि पिता को औसतन सिर्फ 7 दिन की लीव है। इस मामले में भारत से आगे केवल ब्रिटेन है, जहां मां और पिता की छुट्टी के बीच अंतर 19.5 गुना है। भारत में यह अंतर 18.6 गुना है। ष्ठद्गद्यद्य की जेनरस गवर्नमेंट पैरेंटल लीव पॉलिसीज डोन्ट गारंटी जेंडर इक्विलिटी शीर्षक वाली रिपोर्ट में 12 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के करीब 5,000 माता-पिता के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। इसमें सामने आया कि कागजों पर माता-पिता के लिए छुट्टी की



नीतियां भले ही समान और उदार दिखें, लेकिन वास्तविकता में इसका लाभ महिलाओं और पुरुषों को बराबर नहीं मिलता। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पिता को मिलने वाली छुट्टी पूरी तरह एम्प्लायर यानी कंपनी की इच्छा पर निर्भर करती है। इसके लिए कोई अनिवार्य कानूनी प्रावधान नहीं है। यही वजह है कि स्टडी में शामिल सभी 12 देशों में भारतीय पिता सबसे कम पैरेंटल लीव लेते हैं।

अगर तुलना करें तो ब्रिटेन और इटली में पिता औसतन 10 दिन, कनाडा और अमेरिका में 28 दिन की छुट्टी लेते हैं। वहीं स्वीडन में यह अवधि 67 दिन और स्पेन में 70 दिन है। यानी अमेरिका में पिता भारतीय पुरुषों के मुकाबले चार गुना ज्यादा छुट्टी लेते हैं। भारत में मां औसतन 130 वर्किंग डेज की छुट्टी लेती हैं। यह मातृत्व लाभ अधिनियम के तहत मिलने वाली 26 सप्ताह की छुट्टी के बराबर है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 98.7 प्रतिशत मां अपनी पूरी छुट्टी एक ही बार में लेती हैं। यह 12 देशों में सबसे ज्यादा है। वहीं 80.1 प्रतिशत पिता अपनी छुट्टी एक साथ लेते हैं।

कार और बाइक इंश्योरेंस के लिए जीरो डेप्रिसिएशन कवर जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी कोई नई गाड़ी जैसे कार या बाइक लेता है तो उसका इंश्योरेंस कराता है। इंश्योरेंस किसी भी वाहन और उसके मालिक के लिए एक वित्तीय कवच के रूप में काम करता है। यह गाड़ी के खो जाने, चोरी होने, एक्सीडेंट होने और किसी प्रकार के नुकसान होने समेत अन्य स्थितियों में नियम के तहत बीमा कंपनी के द्वारा आर्थिक मदद करता है। ऐसे में एक शब्द है जीरो डेप्रिसिएशन कवर। सामान्य इंश्योरेंस में यह नहीं मिलता है बल्कि इसको अलग से ऐड ऑन कराना होता है। तेजी के साथ बदलते समय और गाड़ियों के बढ़ते इस्तेमाल के बीच लोगों में बीमा के साथ जीरो डेप्रिसिएशन कवर लेने का मामला तेजी से बढ़ा है। एक्सपर्ट इसे आपकी कार और बाइक (उदाहरण के लिए) के लिए बहुत ही अहम मानते हैं। आखिर कार या बाइक के लिए जीरो डेप्रिसिएशन कवर क्यों जरूरी है और यह सामान्य बीमा से कितना फायदेमंद है। आमतौर पर कई लोग कार या बाइक का सामान्य इंश्योरेंस कराते हैं, जिसमें जीरो डेप्रिसिएशन कवर शामिल नहीं होता है। ऐसे में क्या होता है कि जब आपकी कार या बाइक का एक्सीडेंट (दुर्भाग्य से) होता है तो उसके कुछ पार्ट्स जैसे प्लास्टिक, मेटल, रबर और फाइबर समेत अन्य को भी नुकसान पहुंच सकता है। इनके नुकसान में सामान्य इंश्योरेंस में बीमा कंपनी उनकी पुरानी घिसावट को कम करके कुछ पैसा दे देती है। बाकी के पैसों को आपको अपनी जेब से भरना पड़ता है। ऐसे में आपको जीरो डेप्रिसिएशन कवर नहीं लेने पर आर्थिक रूप से भी नुकसान होता है।

दिवाली में अंबानी-अडानी की कितनी बढ़ी दौलत धनतेरस पर मस्क ने कमाए 5.69 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। धनतेरस पर भारत में आम आदमी सोने-चांदी में ही उलझा रहा और उधर असली धन की बारिश तो एलन मस्क पर हुई। दुनिया के सबसे अमीर इस व्यक्ति की दौलत एक ही दिन में 60.50 अरब डॉलर यानी करीब 5.69 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 845 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इसके बाद दिवाली पर दोनों भारतीय उद्योगपतियों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी पर भी लक्ष्मी जी मेहरबान हुईं। दोनों की दौलत में भी इजाफा देखने को मिला, लेकिन मस्क की तुलना में बहुत कम। दिवाली के दिन मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान भले ही सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए हों, लेकिन मुकेश अंबानी और गौतम अडानी का नेटवर्थ ग्रीन रहा। अडानी ग्रुप की अधिकतर कंपनियों के शेयरों में तेजी की वजह से चेयरमैन गौतम अडानी की दौलत में 1.95



अरब डॉलर यानी करीब 18000 करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हुआ। अंबानी का नेटवर्थ भी 956 मिलियन डॉलर यानी करीब 9000 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की दौलत रविवार को 1.95 अरब डॉलर बढ़कर 119 अरब डॉलर पर पहुंच गई। ब्लूमबर्ग के मुताबिक एशिया के सबसे अमीर अडानी अब दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में 18वें नंबर पर हैं। जबकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी एशिया में तीसरे और दुनिया में 23वें नंबर के अमीर हैं। इनके पास 88.3 अरब डॉलर की संपत्ति है। शुक्रवार को जब भारत के लोग धनतेरस मनाकर सो रहे थे तो अमेरिका में दुनिया के सबसे रईस शख्स एलन मस्क पर धन की बारिश हो रही थी। मस्क की कंपनियों के शेयर उछले तो उनकी दौलत एक ही दिन में 7.7 प्रतिशत उछल गई।

2020 के बाद तेल के दाम में सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी है। अप्रैल 2020 के बाद पिछले सप्ताह तेल की कीमतों में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 97 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया, जबकि अमेरिकी ड्ब्ल्यूट्ठ क्रूड 90 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम घटेंगे दिल्ली में पेट्रोल आज भी 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये लीटर है। यानी दिवाली के बाद भी रेट में कोई बदलाव नहीं है।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक पिछले हफ्ते ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 16 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। अक्टूबर के अंत में छह महीने के हाई पर पहुंचने के बाद से कच्चे तेल के दाम लगातार नीचे आए हैं। अमेरिका के मिड टर्म इलेक्शन में डेमोक्रेट्स की जीत के बाद बाजार को उम्मीद है कि अमेरिका-ईरान संघर्ष और नहीं बढ़ेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने को लेकर बातचीत आगे बढ़ती होती है तो ईरान पर नए हमले की संभावना बेहद कम है। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि बातचीत में खास प्रगति नहीं हुई है और ईरान की मांगें स्वीकार करने योग्य नहीं हैं।

कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है। सप्ताहांत में होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे एक तेल टैंकर पर अज्ञात मिसाइल से हमला होने की खबर है। वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको के रियाद स्थित कार्यालयों को निशाना बनाया। इसके जवाब में सऊदी सेना ने दो मिसाइल लॉन्चर नष्ट कर दिए। हालांकि, होर्मुज में जहाजों पर हमलों के बावजूद फारस की खाड़ी से कच्चे तेल का निर्यात युद्ध से पहले के स्तर के करीब पहुंच गया है। ब्लूमबर्ग के सर्वे के मुताबिक, ओपेक के उत्पादन में भी फरवरी के मुकाबले बढ़ोतरी हुई है और यह सदस्य देशों के उस समय के उत्पादन के करीब 88 प्रतिशत तक पहुंच गया है। कच्चे तेल के दाम में आई बड़ी गिरावट के बावजूद पेट्रोल-डीजल के रेट जस के तस है। ऐसा क्यों है दरअसल, तेल का यह वायदा भाव है। मतलब सौदा आज होगा और डिलीवरी जनवरी में मिलेगी। दूसरी बात, सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रेट तो रोजाना जारी करती हैं, लेकिन उन पर सरकार का नियंत्रण होता है। कच्चे तेल के दाम घटने पर कंपनियां पहले अपना घाटा पूरा करती हैं। सरकारी कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम मई 2026 में चार बार में 7.50-7.50 रुपये लीटर बढ़ाए थे।

ब्रीफ न्यूज़

चोटों से जूझ रही न्यूज़ीलैंड टीम, लॉकी फर्ग्युसन वनडे सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ जारी पांच मैचों की वनडे सीरीज में न्यूज़ीलैंड की टीम लगातार चोटों से जूझ रही है, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। अब टीम को एक और बड़ा झटका लगा है, जब अनुभवी तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन पिंडली की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाने के कारण अंतिम दो वनडे मैचों से भी बाहर हो गए हैं। फर्ग्युसन को टी20 सीरीज के दौरान चोट लगी थी, जिसके कारण वह पहले तीन वनडे से बाहर थे और अब पूरी वनडे सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट ने इस बात की पुष्टि की है कि फर्ग्युसन अपनी दाहिने पैर की पिंडली की चोट से अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं। इस बीच, तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर भी वेलिंगटन वनडे में हेलमेट पर गेंद लगने के बाद सात दिन के अनिवार्य स्टैंड-डाउन से गुजर रहे हैं।

टेस्ट तैयारियों के लिए अर्शदीप, गुरनूर और आकिब न्यूज़ीलैंड में रुकेंगे

नई दिल्ली। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज के बाद भारतीय क्रिकेट टीम को दो टेस्ट मैचों की चुनौतीपूर्ण श्रृंखला खेलनी है। इस महत्वपूर्ण रेड-बॉल चुनौती की तैयारियों को पुख्ता करने के उद्देश्य से टीम प्रबंधन ने एक बड़ा फैसला लिया है। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़ और आकिब नबी को न्यूज़ीलैंड में ही रुकने का निर्देश दिया गया है ताकि वे टेस्ट सीरीज के लिए अपनी तैयारी जारी रख सकें। भारतीय टीम के बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने तीसरे वनडे से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस रणनीति का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि ये तीनों खिलाड़ी वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद भारत नहीं लौटेंगे, बल्कि तुरंत टेस्ट मैचों की तैयारियों में जुट जाएंगे। कोटक ने मौजूदा वनडे पिचों की प्रकृति पर भी प्रकाश डाला, जहां सीम और स्विंग दोनों देखने को मिली हैं।

आशुतोष शर्मा गुजरात टाइटंस जा सकते हैं, दिल्ली कैपिटल्स को ट्रेड का ऑफर

नई दिल्ली। आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले टीमों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली (ट्रेड) का सिलसिला तेज हो गया है। अगले महीने गोवा में होने वाली नीलामी से पहले, सभी 10 टीमों को 17 नवंबर तक अपनी रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की सूची जारी करनी होगी। इस बीच, ट्रेड विंडो अभी भी खुली हुई है और अब तक आठ खिलाड़ियों का ट्रेड हो चुका है। अब एक और बड़ी डील की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है, जिसके तहत गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के विस्फोटक बल्लेबाज आशुतोष शर्मा में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। सूत्रों के मुताबिक, गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स से संपर्क किया है और आशुतोष शर्मा को अपनी टीम में शामिल करने की इच्छा जताई है। गुजरात की टीम आशुतोष के बदले एक तेज गेंदबाज देने के लिए तैयार है। हालांकि, रिपोर्ट में यह साफ नहीं किया है कि गुजरात ने आशुतोष के बदले किस खिलाड़ी को दिल्ली में देने का ऑफर दिया है।


ब्राजील के साओ पाउलो स्थित जोस कार्लोस पेस सर्किट में आयोजित फॉर्मूला वन ग्रां प्री रेस के दौरान अपनी रफ्तार और कौशल दिखाते रेसिंग ड्राइवर।

हार्दिक पांड्या का ट्रेड कंफर्म, मुंबई इंडियंस 4 बड़े खिलाड़ियों को कर सकती है रिलीज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले मुंबई इंडियंस कई बड़े और चौंकाने वाले फैसले लेने की तैयारी में है। खबरों के अनुसार, फ्रेंचाइजी चार प्रमुख खिलाड़ियों को रिलीज कर सकती है, जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का पंजाब किंग्स में ट्रेड कंफर्म हो गया है।

हालांकि, इसका आधिकारिक एलान अभी नहीं किया गया है, लेकिन रिपोर्टों के मुताबिक, हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस से पंजाब किंग्स में जाएंगे और उनके बदले पंजाब किंग्स अपने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को मुंबई इंडियंस को देगी। आईपीएल 2027 के लिए सभी 10 टीमों को 17 नवंबर तक अपनी रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की सूची जारी करनी होगी, और इसी से पहले मुंबई इंडियंस अपनी टीम को नए सिरे से तैयार करने में जुटी है। हार्दिक-अर्शदीप ट्रेड के अलावा, मुंबई इंडियंस जिन चार खिलाड़ियों को रिलीज करने की योजना बना रही है, उनमें महिपाल लोमरोर, शार्दुल ठाकुर, रॉबिन मिंज़ और मयंक मारकंडे शामिल हैं।

महिपाल लोमरोरः महिपाल लोमरोर को मुंबई इंडियंस ने रिप्लेसमेंट के तौर पर 50 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि, उन्हें पिछले सीजन में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। ऐसे में फ्रेंचाइजी अब आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले उन्हें रिलीज कर सकती है।

शार्दुल ठाकुरः शार्दुल ठाकुर ट्रेड डील के जरिए लखनऊ सुपर जायंट्स से 2 करोड़ रुपये में मुंबई इंडियंस में आए थे। उन्हें 9 मैच खेलने का मौका भी मिला, लेकिन वह अपनी उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए। उनके प्रदर्शन को देखते हुए, फ्रेंचाइजी उन्हें रिलीज करने का फैसला कर सकती है।

रोहित शर्मा पर रहेंगी निगाहें, न्यूज़ीलैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत

शुभमन गिल की प्राथमिकता तीसरे मैच में ही श्रृंखला जीतनी होगी, क्योंकि वह अंतिम दो मुकाबलों में नहीं खेलेंगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा की फॉर्म पर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन भारतीय टीम मंगलवार को हैमिल्टन में तीसरे एकदिवसीय में चोटों से जूझ रही न्यूज़ीलैंड की टीम को हराकर पांच मैच की श्रृंखला में विजयी बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। हालांकि, तेज गेंदबाजों की अनुकूल परिस्थितियां भारतीय शीर्ष क्रम के लिए एक बार फिर चुनौती पेश कर सकती हैं। भारत पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे है, लेकिन ईडन पार्क में विराट कोहली की शानदार पारी को छोड़ दें तो कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी रोहित शर्मा समेत अन्य बल्लेबाज तेज गेंदबाजों की अनुकूल परिस्थितियों में सहज नजर नहीं आए हैं। मैच भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे शुरू होगा। शुभमन गिल की प्राथमिकता तीसरे मैच में ही श्रृंखला जीतनी होगी, क्योंकि वह अंतिम दो मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। उन्हें न्यूज़ीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में होने वाले पहले टेस्ट की तैयारी के लिए अपना ध्यान लाल गेंद के क्रिकेट पर लगाना होगा। तीसरे एकदिवसीय में अच्छी पारी खेलकर श्रृंखला भारत के नाम करने से गिल का टेस्ट श्रृंखला से पहले आत्मविश्वास बढ़ेगा। अंतिम दो एकदिवसीय में टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे, जो टाउरंगा में खेले जाएंगे।

सेडन पार्क में तीसरा मुकाबला भी बारिश से प्रभावित हो सकता है। ठंडी और गीली परिस्थितियों के कारण एक बार फिर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त स्विंग और उछाल मिल सकता है, जिससे बल्लेबाजों की मुश्किलें बढ़ेंगी। ऐसे हालात में 39 वर्षीय पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को श्रृंखला के शुरुआती दो मैच में बनाए गए शून्य और 23 रन के स्कोर से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पिछले एक साल में रोहित ने अपने बल्लेबाजी के अंदाज में बदलाव किया है। अब वह आक्रामक रुख अपनाने से पहले पारी की नींव मजबूत करने को प्राथमिकता देते हैं। वर्ष 2023 के एकदिवसीय विश्व कप तक उनके जोखिम लेकर आक्रामक बल्लेबाजी करने के अंदाज की तुलना में यह स्पष्ट बदलाव है, लेकिन इस रणनीति के परिणाम मिलेजुले रहे हैं। न्यूज़ीलैंड में अब तक की परिस्थितियों में संभलकर बल्लेबाजी करना जरूरी रहा है, लेकिन रोहित दोनों मैच में सहज नहीं दिखे। इसके विपरीत कोहली ने वेलिंगटन में दूसरे एकदिवसीय में कम समय तक क्रीज पर रहने के बावजूद शानदार लय दिखाई थी। हालांकि, रोहित को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में लगातार रन बनाकर आलोचनाओं को शांत करना होगा।

भारत के विजयी संयोजन में बदलाव करने की संभावना कम है, लेकिन मुख्य कोच पांचवें नंबर पर लोकेश राहुल से पहले अक्षर पटेल को भेजने की रणनीति पर दोबारा विचार कर सकते हैं। राहुल ने वेलिंगटन में नाबाद 26 रन की संक्षिप्त, लेकिन प्रभावशाली पारी खेलकर टीम को मुश्किल से निकाला था। राहुल से पहले अक्षर को भेजने का फैसला मध्यक्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाज की मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए किया गया था, क्योंकि शीर्ष चारों बल्लेबाज दाएं हाथ के हैं। हालांकि, अतिरिक्त स्विंग और असमान उछाल वाली परिस्थितियां अक्षर की बल्लेबाजी के अनुकूल नहीं हैं। अक्षर टीम में एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं और शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज नियमित रूप से गेंदबाजी नहीं करते। ऐसे में टीम प्रबंधन के पास उस स्थान पर ईशान किशन जैसे अधिक आक्रामक बल्लेबाज को उतारने का विकल्प भी नहीं है। उम्मीद है कि अंतिम दो मैच में राहुल की जगह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी किशन संभालेंगे। कर्नाटक का यह बल्लेबाज टेस्ट टीम से जुड़ जाएगा।



टीम इस प्रकार हैं

न्यूज़ीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, काइल जेमीसन, निक केली, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, टिम साइफर्ट, नाथन स्मिथ और विल यंग।
भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, आकिब नबी, गुरनूर बरार, अर्शदीप सिंह, इशान किशन, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव।

39 की उम्र में भी युवाओं पर भारी रोहित शर्मा

साल में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने



मुम्बई। हिटमैन के नाम से लोकप्रिय भारतीय एकदिवसीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा का जलवा बढ़ती उम्र के बाद भी बना हुआ है। इस साल भी वह एकदिवसीय में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं। इस प्रकार रोहित 39 की उम्र में भी यूवाओं को टक्कर देते दिखते हैं। रोहित ने कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज हैरी ब्रुक को भी भी पीछे छोड़ दिया है। रोहित ने साल 2026 में कुल 13 एकदिवसीय मैचों की 13 पारियों में 26 छक्के लगाये हैं। यह आंकड़े साबित करते हैं कि बढ़ती उम्र के बावजूद उनकी आक्रामक शैली में कोई कमी नहीं आई है और वे आज भी दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक हैं। उनकी यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है क्योंकि उन्हें अक्सर करियर के अंतिम पड़ाव पर माना जाता है। वहीं इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान हैरी दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 13 एकदिवसीय मैचों की 13 पारियों में 24 छक्के लगाए हैं। बांग्लादेश के तंजीद हसन 14 मैचों की 14 पारियों में 23 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जो उनके प्रभावशाली प्रदर्शन को दर्शाता है। इस सूची में एसोसिएट टीम आयरलैंड के सी. कैंपर भी हैं। उन्होंने मात्र 9 पारियों में 20 छक्के लगाकर अपनी विस्फोटक क्षमता का प्रदर्शन किया और चौथे स्थान पर अपनी जगह बनाई।

स्कॉटलैंड के ब्रैंडन मैकमुलन 19 छक्कों के साथ पांचवें और नेपाल के गुलसन झा 16 मैचों की 14 पारियों में 19 छक्कों के साथ छठे स्थान पर हैं। ये दिखाता है कि एसोसिएट देशों के खिलाड़ियों में भी काफी प्रतिभा है। ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज मिचेल मार्श ने 6 एकदिवसीय मैचों में 18 छक्के लगाकर अपनी उच्च स्ट्राइक रेट दिखायी है।

एक दिवसीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया पर भारी पड़ी है द. अफ्रीका

सिडनी। एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में ऑस्ट्रेलियाई टीम को अक्सर अजेय माना जाता है, जो अन्य सभी प्रतिद्वंद्वियों पर हावी रहती है और रिकॉर्ड जीत के साथ खेल के सबसे सफल राष्ट्रों में से एक है। हालांकि, एक ऐसी टीम है जिसके खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का यह दबदबा फीका पड़ जाता है, और वह है दक्षिण अफ्रीका। यह एक अनूठा तथ्य है कि प्रोटियाज एकमात्र ऐसी टीम है जिसका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैचों में जीत का प्रतिशत 50 से भी अधिक है, जो विश्व क्रिकेट में उनकी एक अद्वितीय स्थिति को दर्शाता है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि ऑस्ट्रेलिया जैसी विश्व चैंपियन टीम भी कुछ विरोधियों के सामने संघर्ष कर सकती है। इस प्रभावशाली सूची में भारतीय टीम तीसरे स्थान पर है, जो दर्शाता है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हासिल करना कितना मुश्किल काम है। आंकड़ों पर गहराई से नजर डालें तो, दक्षिण अफ्रीका ने एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल 113 मुकाबले खेले हैं। इनमें से उसने शानदार तरीके से 57 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि 52 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। यह 50.9 प्रतिशत का प्रभावशाली जीत प्रतिशत दक्षिण अफ्रीका को दुनिया की सबसे सफल क्रिकेट टीमों में से एक, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक विशेष दर्जा दिलाता है। ऑस्ट्रेलिया जैसी चैंपियन टीम के खिलाफ हारने से ज्यादा मैच जीतना वाकई एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो दक्षिण अफ्रीका को अन्य सभी टीमों से अलग खड़ा करती है। यह दबदबा केवल ऐतिहासिक आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में भी स्पष्ट रूप से देखा गया है। वर्ष 2016 से लेकर अब तक, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच कुल पांच एकदिवसीय सीरीज खेली गई हैं, और हर बार अफ्रीकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को मात दी है। इन सीरीज के परिणाम दक्षिण अफ्रीका के एकतरफा प्रभुत्व को दिखाते हैं: 2016 में दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से क्लीन स्वीप किया, 2018 में 2-1 से जीत दर्ज की, 2020 में 3-0 से फिर क्लीन स्वीप किया, और 2023 में 3-2 से रोमांचक जीत हासिल की। यह लगातार जीत की लकीर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के मानसिक और रणनीतिक बढ़त को उजागर करती है, जो उन्हें इस प्रारूप में एक दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी बनाती है।




अमेरिका के इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में डब्ल्यूटीए फाइनल्स के पहले दिन मैच प्वाइंट जीतने के बाद जश्न मनातीं अमेरिका की कोको गॉफ। उन्होंने अपनी हमवतन जेसिका पेगुला को शिकस्त दी।

आईपीएल ऑक्शन से पहले चर्चा में आए

दीपक चाहर को मिली राजस्थान टीम की कप्तानी

एजेंसी ■ जयपुर

आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले, तेज गेंदबाज दीपक चाहर अचानक चर्चा में आ गए हैं। उन्हें 2026-27 सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में राजस्थान की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब दीपक आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हैं और खबरें हैं कि फ्रेंचाइजी उन्हें आगामी नीलामी से पहले रिलीज भी कर सकती है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) ने रविवार को सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के लिए राजस्थान की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। इस टीम में दीपक चाहर को कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार को उप-कप्तान बनाया गया है। राजस्थान की टीम टूर्नामेंट के एलीट ग्रुप ए में है और वह अपने सभी सात लीग मैच मुंबई में खेलेगी। टीम 14 नवंबर को उत्तर प्रदेश के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। दीपक चाहर आईपीएल में 2025 और 2026 में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे, जिन्होंने उन्हें 9.25 करोड़ रुपये की मोटी रकम में खरीदा था। हालांकि, अब फ्रेंचाइजी उन्हें रिलीज करने का मन बना रही है, ऐसे में राजस्थान टीम की कप्तानी मिलना उनके लिए अपनी फॉर्म और नेतृत्व क्षमता साबित करने का एक बड़ा अवसर होगा।



टीम चयन में एक अनुपस्थिति बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद की रही, जो सैयद मुश्ताक ट्रॉफी के लिए राजस्थान टीम में जगह नहीं बना पाए हैं। खलील अपनी पिछली टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलते समय चोटिल हुए थे और वर्तमान में हैमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं, यही वजह है कि उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया। राजस्थान की टीम में अनुभवी बाएं हाथ के बल्लेबाजी ऑलराउंडर महिपाल लोमरोर और युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज कार्तिक शर्मा सहित मुकुल चौधरी भी शामिल हैं, जो सभी आईपीएल 2026 का हिस्सा थे। टीम के अन्य सदस्यों में अभिजीत तोमर, अजय राज सिंह, कुणाल सिंह राठौड़, हनी प्रताप सिंह और हिमांशु सिंह राणा जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। रामनिवास गोलाडा, रोहन राजबहार, हिमांशु नेहरा और अभिषेक मुंड भी इस टूर्नामेंट के लिए चुनी गई टीम का हिस्सा हैं, जो अपने प्रदर्शन से आईपीएल फ्रेंचाइजी का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करेंगे।

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के लिए राजस्थान की टीमः दीपक चाहर (कप्तान), मानव सुथार (उप-कप्तान), अजय राज सिंह, कार्तिक शर्मा, राहुल चाहर, रामनिवास गोलाडा, रोहन राजबहार, अभिजीत तोमर, हिमांशु सिंह राणा, हनी प्रताप सिंह, कुणाल सिंह राठौड़, महिपाल लोमरोर, मुकुल चौधरी, हिमांशु नेहरा और अभिषेक मुंड।

केएल राहुल की बहुमुखी प्रतिभा सहायक कोच द्वारा जमकर तारीफ

एजेंसी ■ नई दिल्ली

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक बैटिंग कोच सुताशु कोटक ने केएल राहुल की जमकर तारीफ की है। उनके के अनुसार, राहुल ने हर परिस्थिति में टीम के लिए खुद को साबित किया है और वे एक बेहद भरोसेमंद खिलाड़ी हैं। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में उन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में डटकर बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया को रोमांचक जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सहायक कोच ने कहा कि यह अनुभवी बल्लेबाज टीम के लिए बेहद अहम है और चुनौतीपूर्ण पिचों पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित कर चुका है। राहुल टेस्ट क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने में सक्षम हैं, जबकि वनडे फॉर्मेट में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं और पारी के अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा सकते हैं। 50 ओवर के क्रिकेट में वे बहुत कम मौकों पर नाकाम रहे हैं, और इस निरंतरता पर जानकारों का विशेष ध्यान गया है। जानकारों का कहना है, ''लोकेश राहुल का सबसे बड़ा फायदा यह है कि वह लाल गेंद के क्रिकेट में पारी का आगाज कर सकते हैं और सफेद गेंद के क्रिकेट में मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। जरूरत पड़ने पर वह आखिरी पांच ओवर में भी तेजी से रन बना सकते हैं। वहां भी उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है।



घर में लगाएं ये पौधे नहीं होंगे मच्छर

अक्सर घर को डेकोर करने के लिए कई तरह के पौधे लगाएं जाते हैं लेकिन कई बार इसलिए भी नहीं लगाते हैं क्योंकि मच्छर होने लगते हैं। हालांकि घर में पौधे लगाने से ताजगी बनी रहती है। फ्रेश ऑक्सीजन का प्रभाव घर में होता है। घर में भी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। लेकिन सिर्फ मच्छर की वजह से घर में पौधे नहीं लगाना उचित नहीं है। तो आइए जानते हैं कि आप घर में किस तरह के पौधे लगा सकते हैं जिससे मच्छर नहीं होंगे-

- **नीम**- इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से विभिन्न प्रकार के कीड़ें भाग जाते हैं। इसलिए आप इसे लगा सकते हैं। घर पर इसे लगाते हैं तो कई सारे फायदे भी आपको मिलते रहेंगे।
- **मिंट**- मिंट की खूशबू ही बहुत अच्छी होती है। इसमें मौजूद गुण मच्छरों और मक्खियों को दूर भगाते हैं। इस पौधे को आप घर में कहीं भी लगा सकते हैं। इसकी खूशबू से ताजगी बनी रहती है।
- **यूक्लेप्टस**- इसमें मौजूद तत्व कई मच्छर, मक्खी और कीड़ों के दुश्मन है। इसलिए आप यह पेड़ आसानी से लगा सकती है।
- **लेमन ग्रास**- इस पौधे में मौजूद गुण सिस्ट्रोनेला ग्रास की नस्ल की तरह है। इससे यह पौधा मच्छर भगाने में मदद करता है। साथ ही इसका उपयोग खाने में और चाय बनाने में भी किया जाता है। जी हां, इसकी चाय पीना काफी पसंद करते हैं।
- **तुलसी**- तुलसी का पौधा आंगन में लगाया जाता है। यह घर की समृद्धि में अहम है तो मनुष्य के स्वास्थ्य में लाभदायक। इसमें मौजूद प्राकृतिक गुण मच्छरों को दूर भगाता है। इतना ही नहीं इसकी खूशबू से चींटिया और छोटे-मोटे कीड़ें भी आसपास नहीं आते हैं।



परिवार में तनाव का असर खुद पर न पड़ने दें

हम एक परिवार में रहते हैं। जब किसी एक सदस्य को तनाव होता है तो परिवार में शामिल सभी लोगों को इसका पता चल जाता है। आख़िर घर के हर व्यक्ति के रंग-ढंग से सब परिचित होते हैं। समझने लायक़ यह है कि अक्सर परेशान व्यक्ति बात करने या समस्या की जड़ तक पहुंचने में असफल रहता है। तनावग्रस्त व्यक्ति का व्यवहार अजीब हो जाता है। ऐसे में, घर-परिवार व दोस्त अगर शिकायत करने लगें कि इस व्यक्ति के व्यवहार के कारण हमें परेशानी हो रही है, तो यह अपनी ज़िम्मेदारी से भागना कहा जाएगा।

हम सबके पास समस्याओं की एक विस्तृत सूची है। किसी की आय ज़रूरत से कम है, तो किसी को भविष्य के लिए बचत के रास्ते नहीं सूझ रहे, कोई किसी बीमारी का तनाव पाले है, तो कहीं पढ़ाई के बोझ से दबे बच्चे अपने भविष्य और अभिभावकों के सपनों को पूरा करने को लेकर चिंतित हैं। हम एक परिवार में रहते हैं। जब किसी एक सदस्य को तनाव होता है तो परिवार में शामिल सभी लोगों को इसका पता चल जाता है। आख़िर घर के हर व्यक्ति के रंग-ढंग से सब परिचित होते हैं। समझने लायक़ यह है कि अक्सर परेशान व्यक्ति बात करने या समस्या की जड़ तक पहुंचने में असफल रहता है। तनावग्रस्त व्यक्ति का व्यवहार अजीब हो जाता है। ऐसे में, घर-परिवार व दोस्त अगर शिकायत करने लगें कि इस व्यक्ति के व्यवहार के कारण हमें परेशानी हो रही है, तो यह अपनी ज़िम्मेदारी से भागना कहा जाएगा। अगर कोई क़रीबी व्यक्ति तनाव में है तो उसके व्यवहार पर हंगामा करके माहौल को तनावग्रस्त करने के बजाय, इस स्थिति से घर-परिवेश को बचाना चाहिए।

व्यक्ति तनाव में है ऐसे समझें...

चिड़चिड़ाना... जब कोई व्यक्ति तनाव में होगा तो वो छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ जाएगा। उसे हर बात बुरी लगेगी और उसका व्यवहार रूखा होगा।

काम प्रभावित होगा... प्रदर्शन में एकदम से बदलाव आता है। स्कूल, दफ़्तर या घर के काम पर असर पड़ने लगता है। व्यवहार को लेकर नई चुनौतियां उत्पन्न होती हैं, लोगों से संबंध ख़राब होने लगते हैं।

अकेलापन... प्रभावित व्यक्ति गुमसुम भी हो सकता है। हो सकता है, लोगों से दूर रहने लगे। बात करने से कतराए। शून्य में ताकते हुए अलग-थलग रहना पसंद करे।

स्वास्थ्य पर असर... तनाव के कारण व्यक्ति की ऊर्जा कम होने लगती है और वह हमेशा बीमार रहता है। वह शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ रहने लगता है।

झगड़ा होगा... किसी विषय को लेकर झगड़ा हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर आपने पीड़ित शख़्स का कोई सामान इस्तेमाल कर लिया तो वो उस पर झगड़ना शुरू कर देगा। इससे परिवार के सदस्यों के बीच स्थायी झगड़ा या मनमुटाव हो सकता है।

बात करना ही एकमात्र हल है

अगर परिवार में किसी सदस्य का व्यवहार एकाएक रूखा या गुमसुम-सा हो गया है तो उस पर नाराज़ होने के बजाय उससे बात करें। उसे कहां समस्या है और वो क्या सोच रहा है, जानने की कोशिश करें। उसे विश्वास दिलाना सबसे ज़्यादा ज़रूरी है कि उसकी परेशानी का सबको अहसास है और सब उसकी मदद करना चाहते हैं।

बात को गंभीरता से लें

अगर शख़्स आपके पूछने पर अपनी समस्या बताता है तो हो सकता है आपको वह तनाव लेने वाली बात न लगे। अगर आप उसको सुनकर कहते हैं कि 'यह भी कोई तनाव लेने वाली बात है!' तो उसे लगेगा कि आप उसकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहे हैं। शायद आपके लिए वह समस्या उतनी बड़ी नहीं होगी, लेकिन ऐसा जताने के बजाय उसे इस मुश्किल से निकलने में मदद करें। उसके साथ हल ढूंढें।

आप हैं, विश्वास दिलाएं

किसी व्यक्ति को तनाव से निकालने के लिए उसे विश्वास दिलाना ज़रूरी है कि आप उसे सुन रहे हैं और उसकी समस्या को हल भी करेंगे। एक बार विश्वास होने पर वो आप से खुलकर बात कर सकेगा। परिवार का माहौल भी ऐसा ही होना चाहिए कि गर किसी को समस्या है तो वो बेझिझक अपनी बात रख सके।

बातों को नजरअंदाज न करें

अगर व्यक्ति अपनी समस्या आपको बताता है और आप उसे सुनकर नज़रअंदाज़ करते हैं तब भी आप उसका विश्वास खो देते हैं। उसे लगेगा कि जो लोग उसकी समस्या सुन नहीं सकते वो उसका हल भी नहीं निकालेंगे। यह स्थिति, ऐसी सोच खतरनाक नतीजों तक भी ले जा सकती है। व्यक्ति अवसादग्रस्त हो सकता है।

अपने तनाव को साथ लेकर न चलें

कई बार परिवार में तनाव इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि हम बाहर का तनाव घर में और घर का तनाव बाहर लेकर जाते हैं। इससे परिवार और दोस्तों, सबसे दूरियां बढ़ने लगती हैं।

असर जो दिखता है

व्यक्ति बेचैन रहता है, बेवजह गुस्सा करने लगता है, अचानक चुप हो जाता है, उसे लोगों से मिलना अच्छा नहीं लगता, वो थका-सा महसूस करता है, जल्दी-जल्दी बीमार पड़ने लगता है आदि।

मन पर असर

नींद का कम होना, ध्यान भटकना, नकारात्मक विचारों पर लगाम लगाने में मुश्किल, हरदम खोया-खोया रहना, चिंता की इंतहा, खुश न हो पाना, मुस्कान तक कम हो जाना आदि।





ओवरथिंकिंग से कैसे बचें?

सवाल में ही परिस्थिति का असली रूप छुपा है। मन में अनगिनत विचार आने का अर्थ है कि व्यक्ति उस लम्हे निष्क्रिय है। वो कोई कार्य नहीं कर रहा है, ऐसा कार्य जिसमें मस्तिष्क या पूरा ध्यान लगाना ज़रूरी हो। हम ज़रूरत से ज़्यादा कब सोचते हैं, तब जब सोचते ही रहने का अवकाश खुद को देते हैं। इस प्रक्रिया में हम जाते क्यों और कैसे हैं, आइए समझते हैं। जब किसी मुद्दे या विषय पर बहुत ज़्यादा सोचने लगें और नतीजे पर पहुंचना मुश्किल लग रहा हो, या ऐसी स्थिति पर विचार करें कि जिसका तुरंत कोई निदान संभव न हो, तो हमें लगता है कि हम उलझ गए हैं। सोचना ज़रूरी है मंथन करने के लिए, लेकिन केवल सोचते रहने के लिए नहीं।

सेल्फ़ हेल्प किताबों के मशहूर लेखक जॉन मैक्सवेल का कथन है, 'हमारा जीवन महज़ दस प्रतिशत वो है, जो हमारे साथ घटता है और नब्बे प्रतिशत वो है, जिस तरह हम इन घटनाओं का सामना करते हैं।' जो हो रहा है, उसका जिस तरह सामना करेंगे से अर्थ है कि उसको जैसा प्रतिसाद देंगे, वह है हमारा असली जीवन और उसका स्वरूप। जब नब्बे प्रतिशत पर हमारा नियंत्रण होता है, तो मानकर चलिए कि जीवन को संभालने का गुर हमें आता है।

प्रतिसाद और प्रतिक्रिया

परिस्थितियां सदा पक्ष में नहीं रहतीं। ज़िंदगी नर्म-गर्म चलती रहती है। कभी कुछ अच्छा होता है, तो कभी मन का नहीं भी होता है। ऐसे में शिकायत करना, समय, भाग्य या किसी इंसान पर दोषारोपण करते रहना ही प्रतिक्रिया देना है, जिसका साफ़-साफ़ मतलब है कि आपकी खुशियों की चाबी किसी और के हाथ में है- चाहे इंसान, चाहे परिस्थितियां। अब सवाल उठ सकता है कि परिस्थिति को क्या प्रतिसाद दें? यह स्मरण रखें कि कुछ करने का विकल्प हमेशा आपके पास है। परिवर्तन और दिक़्क़तें तो आएंगी ही, लेकिन उनके सामने लचीला रवैया, हल ढूंढने वाली सोच और उबरकर बाहर आ जाने वाला हौसला रखें, तो हालात की मुश्किलें रोड़ा नहीं बनेंगी।

सोचते रहने से क्या होगा?

बस पूरी भरी है, तब भी जाना तो है। गर्मी की, धूप की, भीड़ या जगह की कमी की शिकायत करने से यात्रा भली नहीं होगी। यह तो ऐसा हुआ जैसे अपनी यात्रा और गंतव्य का ज़िम्मा आपने भीड़ और मौसम के हाथों सौंप दिया हो और खुद को निर्बल कर लिया हो। आप बस में चढ़िए, धीरे-धीरे स्थान भी मिल जाएगा और खिड़की से आती हवा की ताज़गी भी। केवल सोचते रह जाते, तो बस भी छूटती और लक्ष्य भी।

क्रिया महत्वपूर्ण है

मन में ढेर सारे विचार आने से बचने का तरीक़ा है कि मन को इस लम्हे यानी वर्तमान में ले आएं। कुछ काम करने लगें, जिसमें ध्यान लगे। अगर किसी समस्या के बारे में सोच रहे हैं, तो उसके समाधान को लेकर काम करने लगें। जो विचार सोच में डरा रहे होंगे या नतीजे पर पहुंचने से रोक रहे होंगे, वो क्रियाशील होते ही अपने डर के अंधेरों से बाहर आ जाएंगे। अति में सोचने, केवल सोचते रहने, चिंता करने या आशंकित रहने से जीवन थमा रहेगा। अगर कहीं पहुंचने की फ़िक्र है, तो चलिए। सोचते मत रहिए।

फेमस होने के लिए लड़ते हैं गुस्सैल बच्चे



एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि बच्चे समूह में अपनी स्थिति को मजबूत करने और अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए सहपाठियों के साथ अक्सर लड़ाई-झगड़े करते हैं। इस अध्ययन के निष्कर्ष में प्रकाशित हुए हैं।

शोधकर्ताओं ने बताया कि अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला है कि छात्रों की आक्रामकता और उनकी लोकप्रियता में वृद्धि के एक साथ जुड़े थे। विशेष रूप से उन बच्चों के लिए जिनकी साथियों के साथ लगातार असहमति की सूचना थी। एफएयू के चार्ल्स ई.श्मिट कॉलेज में मनोविज्ञान के वरिष्ठ लेखक और प्रोफेसर ब्रेट लॉरसन ने कहा, हालांकि हमें लगता है कि यह संभावना नहीं है कि केवल विवाद ही लोकप्रियता का आधार है। इसके पीछे और भी कारण होते हैं,लेकिन विवाद के पीछे लोकप्रिय होने की सोच भी काफी मायने रखती है। उन्होंने कहा, आक्रामक बच्चे जो अक्सर लड़ते हैं, उन्हें हमेशा जबरदस्ती सहारा लेने की आवश्यकता नहीं होती है। उनका केवल अप्रिय व्यवहार की संभावना दूसरे छात्रों को उनकी बात मानने पर मजबूर कर देता है। यह अध्ययन फ्लोरिडा के आठ से 12 वर्ष की आयु वाले प्रतिभागियों के बीच किया गया, जो एक प्राथमिक विद्यालय में भाग ले रहे थे। शोधकर्ताओं ने कहा, गुस्सैल बच्चों के लिए उनका व्यवहार समूहों में काफी प्रभावकारी होता है। ऐसे बच्चों की बात को मना करने के लिए अन्य बच्चे जोखिम नहीं उठाना चाहते क्योंकि उन्हें बुरे परिणाम की संभावना होती है। शोधकर्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि यह एक प्रभावी उपकरण हो सकता है, जो विशिष्ट विशेषताओं को बढ़ाता है। ब्रेट ने कहा, हम यह दावा नहीं करते हैं कि इस तरह से इस्तेमाल की गई रणनीति हमेशा भलाई के लिए एक स्वस्थ मार्ग प्रस्तुत करते हैं। बल्कि संघर्ष के परिणाम संदर्भ, उद्देश्यों और इसे प्रबंधित करने के तरीकों पर निर्भर करते हैं। हम दावा करते हैं कि असहमति एक कुशल सामाजिक रणनीति हो सकती है, जो प्रभुत्व में जबरदस्ती के निहित खतरे का लाभ उठाती है।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?



आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं। आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से

स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फज़ल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।